

3 **बस्तर संभाग**
कलेक्टर की अध्यक्षता में समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का के...

6 **अभिमत**
जलवायु परिवर्तन पर सामाजिक कार्रवाई

10 **संस्कारधानी**
नपं अध्यक्ष के देवर की गाड़ी से रेत परिवहन,विधायक ने दिए...

11 **न्यायधानी**
एसएसपी का तबादला और स्वास्थ्य मंत्री के समर्थक पर...



रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655



www.dailypioneer.com

रायपुर, रविवार 5 दिसंबर 2021

पृष्ठ-12

वर्ष-06, अंक- 106 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यर्ज

वरिष्ठ पत्रकार विनोद दुआ का निधन

नयी दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार विनोद दुआ का अपोलो अस्पताल में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि दुआ का अपराह्न करीब साढ़े चार बजे देहावसान हुआ। दुआ को लीवर में संक्रमण के कारण कुछ दिनों पूर्व परमानंद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, पिछले पांच दिनों से उनका अपोलो अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष में उपचार चल रहा था। वह 67 वर्ष के थे, उनके परिवार में दो पुत्री हैं।

बडगाम में लश्कर का सक्रिय आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में पुलिस ने शनिवार को आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक सक्रिय आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आतंकवादी की पहचान अब्दुल हमीद नाथ, बडगाम निवासी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि नाथ को खुफिया अभियान के तहत एक विशेष जानकारी मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, बडगाम के पोशकर इलाके में आतंकवादी गतिविधियों की खुफिया जानकारी मिलने के बाद पुलिस, राष्ट्रीय रायफल और केन्द्रीय रिजर्व बल ने क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

विधानसभा सत्र की मुख्य सचिव ने तैयारियों की समीक्षा

रायपुर। आगामी 13 से 17 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले छत्तीसगढ़ विधानसभा के बारहवें सत्र के आयोजन के पूर्व तैयारियों के संबंध में दिशा निर्देश देने मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में मुख्य रूप से सत्र के दौरान विभागीय प्रकाश का गठन एवं नोडल अधिकारी की नियुक्ति, सत्र के दौरान प्रस्तुत होने वाले विधेयकों की पूर्व तैयारी, लंबित आश्वासनों के उत्तर, विधानसभा के पटल पर रखे जाने वाले पत्रकों की तैयारी, स्थगन प्रस्ताव, ध्यानकर्षण सूचना, याचिकाओं, शून्य काल की सूचनाएं, विधान सभा की विभिन्न समितियों के प्रतिवेदनों पर त्वरित कार्रवाही, सत्र के दौरान चर्चा के संभावित विषयों की तैयारी लोक महत्व के विषयों पर चर्चा की तैयारी, पालन प्रतिवेदन, सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

भारत के बुनियादी ढांचे पर 100 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश का लक्ष्य : पीएम मोदी

वार्ता < देहरादून
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत, आधुनिक बुनियादी ढांचे पर 100 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के इरादे से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की नीति, गति शक्ति की है, दोगुनी-तीन गुनी तेजी से काम करने की है। उन्होंने कहा कि सड़क और संपर्क सुविधाओं के विकास से क्षेत्र में पर्यटन, तीर्थाटन और अन्य आर्थिक गतिविधियों का विकास होता है, अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। मोदी विधान सभा चुनावों की ओर बढ़ रहे उत्तराखंड में 18000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने के बाद यहां एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने उत्तराखंड में एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। यहां की सरकार उन योजनाओं को 'जमीन पर उतार रही है।' आज यहां 18000 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया जा रहा है। मोदी ने कहा कि इस शताब्दी की शुरुआत में, तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने भारत में कनेक्टिविटी (सम्पर्क सुविधाएं)

बढ़ाने का अभियान शुरू किया था। प्रधानमंत्री ने इस बात पर अ फ स ो स जाहिर किया कि वाजपेयी सरकार के समय शुरू किए गए



राजमार्ग विकास अभियान को उसके बाद आयी सरकार ने बिखेर दिया। उन्होंने कहा, लेकिन उनके बाद 10 साल देश में ऐसी सरकार रही, जिसने देश का, उत्तराखंड का, बहुमूल्य समय व्यर्थ कर दिया। दस साल तक देश में इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर घोटाले हुए, घपले हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने बुनियादी संरचनाओं के विकास का काम फिर तेजी से आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा, इससे देश का जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई के लिए हमने दोगुनी गति से मेहनत की और आज भी कर रहे हैं। आज मुझे बहुत खुशी है कि दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा परियोजना का शिलान्यास हो चुका है। इससे उत्तराखंड तथा दिल्ली के बीच पड़ने

वाले बागपत से शामली तक के जिलों में आर्थिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह राजमार्ग परियोजना जब ये बनकर तैयार हो जाएगी तो, दिल्ली से देहरादून आने-जाने में जो समय लगता है, वह करीब-करीब आधा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि केदार घाटी इस बात का उदाहरण है कि सड़क सम्पर्क बढ़ने से पर्यटन और तीर्थाटन में तेजी आती है। केदारनाथ त्रासदी से पहले, 2012 में पांच लाख 70 हजार लोगों ने दर्शन किया था। ये उस समय एक रिकॉर्ड था। मोदी ने कहा कि सीमावर्ती पहाड़ी क्षेत्रों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी पहले की सरकारों ने उतनी गंभीरता से काम नहीं किया, जितना करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि बॉर्डर के पास सड़कें बनें, पुल बनें, इस ओर उन्होंने ध्यान नहीं दिया जबकि कोरोना काल शुरू होने से पहले, 2019 में 10 लाख से ज्यादा लोग केदारनाथ जी के दर्शन करने पहुंचे थे, यानी केदार धाम के

मुफ्त सेवा, सुविधा देने पर बहस होनी चाहिए : नायडू

वार्ता < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने देश में निशुल्क सेवा और सुविधा देने पर व्यापक बहस का आह्वान करते हुए शनिवार को कहा कि संसद और विधानसभाओं की वर्ष में कम से कम एक सौ बैठकें होनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने यहां संसद की लोक लेखा समिति के एक सौ वर्ष पूरे होने पर एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश में दुर्लभ संसाधनों और विकास की जरूरतों के साथ सरकारों के कल्याणकारी दायित्वों के अंतर्गत होने वाले खर्च को सुसंगत बनाया जाना चाहिए। निशुल्क सेवाओं तथा सुविधाओं पर व्यापक चर्चा करते हुए लोक लेखा समिति (पीएसी) की इस पहलू को भी जांच में शामिल करना चाहिए। नायडू ने कहा कि वांछित सामाजिक-आर्थिक परिणामों के लिए एक-एक रुपये का खर्च बुद्धिमानी, निष्ठा, और आवश्यक आधार पर किया



जाना चाहिए। नायडू ने कहा कि जरूरतमंद लोगों का कल्याण और सामाजिक सुख सुनिश्चित करना सरकारों का एक महत्वपूर्ण दायित्व है, लेकिन अब समय आ गया है कि कल्याण और विकास के उद्देश्यों में सामंजस्य स्थापित करने पर व्यापक बहस हो। व्यय को सावधानीपूर्वक संतुलित किया जाना चाहिए ताकि अल्पकालिक और दीर्घकालिक विकास उद्देश्यों पर समान ध्यान दिया जा सके। पीएसी को सामाजिक-आर्थिक परिणामों के संदर्भ में संसाधन उपयोग की प्रभावशीलता की जांच करनी है, इसलिए समिति के लिए व्यापक विचार के लिए इन दो उद्देश्यों को संतुलित करने के मुद्दे की जांच करना हो सकता है। उन्होंने कहा कि पीएसी पहले से किए गए खर्च की जांच करती है, लेकिन संसद सदस्यों द्वारा उन पर आधारित प्रश्न और बहस तथा उस पर मीडिया रिपोर्टिंग, डिप्लॉयमेंट और सिफारिशों को और बढ़ाया जाना चाहिए।

जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 का शांति स्थापना से संबंध नहीं : शाह

एजेंसी < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में सात दशक से भी अधिक समय तक अनुच्छेद 370 रहने के बावजूद वहां शांति नहीं रही इसलिए यह स्पष्ट है कि अनुच्छेद 370 का जम्मू कश्मीर में शांति स्थापित किये जाने से कोई संबंध नहीं है। शाह ने शनिवार को एक सम्मेलन में सवाल के जवाब में यह बात कही। जम्मू कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल किये जाने को राजनीतिक मांग करार देते हुए उन्होंने कहा कि वहां नियम के अनुसार पहले परिसीमन होगा , उसके बाद चुनाव होंगे तथा उसके बाद में राज्य का दर्जा बहाल किया जायेगा। राजनीतिक दल राज्य के दर्जे को एक मुद्दा बना रहे हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में अभी जिस तरीके से शांति तथा कानून व्यवस्था बहाल हो रही है



, पर्यटक जा रहे हैं और जन कल्याण की अनेक योजनाओं पर काम चल रहा है वह पहले नहीं हुआ। उम्मीद है कि कश्मीर की जनता इस बदलाव का स्वागत कर रही है। 'मेरी सभी दलों से अपील है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सेदार बनें।' उन्होंने कहा, कश्मीर में 75 वर्षों तक 370 तो था ही तो वहां शांति क्यों नहीं रही। 370 का वहां शांति से कोई संबंध नहीं है। क्या 370 अनुच्छेद 1990 के दशक में वहां अस्तित्व में नहीं था इसके रहने के बावजूद वहां शांति क्यों नहीं थी। उन्होंने कहा कि अभी टारगेट किलिंग को भी जोड़ लें

तो भी मौतों की संख्या में पहले की तुलना में वहां कमी आयी है। उत्तर प्रदेश में चुनाव के बारे में पूछे गये सवाल पर उन्होंने कहा, वोट बैंकों के आधार पर बनने वाले गठबंधन लोगों को गाइड नहीं कर सकते। मतदाता अब जागरूक हो चुके हैं। मैं बड़े विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बहुत ही प्रचंड बहुमत के साथ बनेगी। मैं उत्तर प्रदेश के बहुत क्षेत्रों में गया हूं और वहां यह निश्चित है कि भाजपा बहुत अच्छे बहुमत के साथ चुनाव जीत रही है। किसान आंदोलन का उत्तर प्रदेश में असर नहीं पड़ना था लेकिन अब तो मोदी तो थे कानूनों को वापस लेकर इसे खत्म ही कर दिया है। पंजाब के बारे में उन्होंने कहा, पंजाब में हमारी ढिंढसा साहब से भी और कैप्टन अमरिंदर से भी बात चल रही है हम सकारात्मक ढंग से दोनों पार्टियों से बात कर रहे हैं।

प्रियंका ने भी की कोरोना पीड़ितों को मुआवजा देने की मांग

एजेंसी < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के कोविड मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग करने के बाद अब पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी सरकार से पीड़ितों को तत्काल मुआवजा देने की मांग की है। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव ने शनिवार को कहा कि सरकार को पीड़ित परिजनों के साथ संवेदना के साथ पेश आना चाहिए और उनकी पीड़ा को समझते हुए उन्हें तत्काल चार लाख रुपए का मुआवजा देना चाहिए। वाड्रा ने टवीट किया, भाजपा सरकार ने अब तक न तो कोरोना से हुई मौतों के सही आंकड़े जारी किए हैं और न ही मृतकों के परिजनों को किसी तरह का मुआवजा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी करोड़ों भारतीयों की पीड़ा और संवेदना को संवेदनहीनता के बूटों तले



कुचलिए मत। मृतक परिजनों को मुआवजा दीजिए। गौरतलब है कि गांधी ने कल यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सरकार से कोरोना मृतकों के परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की सरकार से मांग की थी और आज वाड्रा ने उनकी इस मांग को आगे बढ़ाते हुए सरकार पर कोरोना पीड़ितों की मदद नहीं करने का आरोप लगाया।

भारत में ई वेस्ट की डीपिंग चिंता का विषय : सीतारमण

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजस्व सतर्कता निदेशालय ('डीआरआई') की देश की आर्थिक सीमाओं को संरक्षित बनाये रखने के लिए सराहना करते हुये मामलों के निपटान में तेजी लाने और सूचनाओं के आदान प्रदान तंत्र को सशक्त बनाने के साथ ही बेहतर प्रदर्शन के लिए कार्यवाह्ययोग्य खुफिया जानकारीयों एक्त्रित किये जाने पर जोर दिया। सीतारमण ने यहां डीआरआई की संस्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि कार्रवाई योग्य सुखिया जानकारीयों बहुत कम की मिलती है। बहुत अधिक खुफिया जानकारीयों मिलती है लेकिन जब कार्रवाई की बात आती है तो वे जानकारीयों हकीकत नहीं बन पाली है। कभी कभी तो ये जानकारीयां इतनी हल्की होती है कि उस पर कार्रवाई करना भी कठिन होता है। वित्त मंत्री मुंद्रा पोर्ट तीन हजार किलोग्राम पदक पदार्थ की खेप पकड़े जाने का उल्लेख करते हुये कहा कि इस तरह की अवैध को रोकने के लिए किये जाने वाले आवश्यकत उपायों पर गौर करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि डीआरआई को ई वेस्ट डीपिंग पर भी ध्यान केन्द्रित करना चाहिए क्योंकि यह देश के तट पर नहीं पहुंचना चाहिए।

देश में कोरोना के आठ हजार से अधिक नये मामले

एजेंसी < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस के 8,603 नये मामले सामने आये हैं और 415 लोगों की इस महामारी से मौत हुई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामलों की संख्या एक लाख से घटकर 99974 हो गई है। कोरोना संक्रमण के 8,603 नए मामले सामने आने के साथ संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर तीन करोड़ 46 लाख 24 हजार 360 हो गई है। गुरुवार देर रात तक 8,190 मरीजों के स्वस्थ होने के साथ ही महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर तीन करोड़ 40 लाख 53 हजार 856 हो गई है। गौरतलब है कि पिछले 24 घंटे में इस जानलेवा वायरस के संक्रमण से 415 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर



चार लाख 70 हजार 530 हो गया है। देश में सक्रिय मामलों की दर 0.29 फीसदी, रिकवरी दर 98.35 फीसदी और मृत्यु दर 1.36 फीसदी पर बरकरार है। मंत्रालय के अनुसार इसी अवधि में 73 लाख 63 हजार 706 कोविड टीके लगाये गये हैं। इसके साथ ही अभी तक 126 करोड़ 53 लाख 44 हजार 975 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। देश में केरल सक्रिय और मृतकों के मामलों में अभी भी आगे है। राज्य में सक्रिय मामले 263 बढ़कर 45293 हो गये हैं। राज्य में 4463 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 5070497 हो गयी है। इसी अवधि में 269 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 41124 हो गयी है। महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 77 घटकर 10805 रह गये हैं, जबकि 100 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 141149 हो गया है। वहीं 45 और मरीजों के कोरोना मुक्त होने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 6485335 हो गयी है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिश में बड़ा कदम

रूस के सहयोग से अमेठी में पांच लाख राइफल बनाने की योजना को मंजूरी

वार्ता < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सरकार ने उत्तर प्रदेश के अमेठी स्थित कोरवा में रूस के सहयोग से पांच लाख ए के -203 असाल्ट राइफल बनाने की योजना को मंजूरी दे दी है। सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच सोमवार को यहां होने वाली शिखर वार्ता से दो दिन पहले यह घोषणा की गई है। सरकार के इस कदम को उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष के शुरू में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भी



काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इस परियोजना के शुरू होने से राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सेना पिछले तीन दशकों से इंसास राइफलों का इस्तेमाल कर रही है लेकिन अब जल्दी ही उसे 7.62 इंच 39 एम एम कैलीबर की ए के-203 राइफल मिलने वाली है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने गत बुधवार

को ही इस योजना को मंजूरी दी थी। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में पिछले महीने हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक में इन राइफलों की खरीद तथा देश में ही इन्हें बनाने की मंजूरी दी गई। इसके लिए रूस प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण करेगा। सरकारी सूत्रों ने कहा है कि इससे रक्षा क्षेत्र में वैश्विक खरीद के बजाए मेक इन इंडिया पर जोर दिए जाने का पता चलता है। साथ ही रूस के साथ रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती साझेदारी के संकेत भी मिलते हैं। इस परियोजना से सूक्ष्म, लघु और मझौली इकाईयों और रक्षा

उद्योगों के लिए व्यवसाय के अवसर पैदा होंगे जिससे रोजगार भी बढ़ेंगे। साथ ही रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का योगदान भी बढ़ेगा। ए के-203 असाल्ट राइफल 300 मीटर की दूरी तक प्रभावशाली ढंग से मार करती है और यह हल्की, मजबूत तथा इस्तेमाल करने में आसान है। इससे आतंकवाद रोधी अभियानों में सेना की क्षमता भी बढ़ेगी। इस परियोजना के लिए एक विशेष उपक्रम इंडो रसियन राइफल प्राइवेट लिमिटेड बनाया गया है। राष्ट्रपति पुतिन शिखर वार्ता में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को यहां पहुंचेंगे इससे पहले दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों के बीच टू प्लस टू वार्ता भी होगी।



धान खरीदी की चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने अधिकारी लगातार कर रहे हैं उपार्जन केंद्रों का दौरा

■ खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा और तकनीकी शिक्षा विभाग की सचिव रीता शांडिल्य ने बेमेतरा के कई खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेश में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए राज्य सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी लगातार उपार्जन केंद्रों का दौरा कर रहे हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा और तकनीकी



शिक्षा एवं रोजगार विभाग तथा बेमेतरा जिले की प्रभारी सचिव रीता शांडिल्य ने बेमेतरा के कई खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों और समिति प्रबंधकों से चर्चा कर व्यवस्था का फीडबैक भी लिया।

कठिया धान उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया : खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बेमेतरा के कठिया धान उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान वहां धान बेचने पहुंचे किसानों से चर्चा की। वर्मा ने

स्थानीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान बेचने आ रहे किसानों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो, इसका पूरा ध्यान रखें। बेमेतरा जिला की प्रभारी सचिव रीता शांडिल्य ने लेंजवारा (सरदा), कठिया, जेवरा, कुसमी,



सरदा, बीजाभाट एवं हसदा धान खरीदी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने किसानों से चर्चा कर उनके द्वारा उपार्जन केंद्र में लाए गए धान की मात्रा, धान के उत्पादन और समर्थन मूल्य के बारे में पूछा।



उन्होंने खरीदी केंद्रों में मानव संसाधन, आर्द्रतामापी यंत्र, तौल बाट, पेयजल और विद्युत व्यवस्था की भी जानकारी ली। कबीरधाम जिले के कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा ने सहस्रपुर लोहार विकासखण्ड में खुले चार नए धान

खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने छिहवाबाधा, मोतीपुर, गौरमाटी और गोरखपुर कला के नए धान खरीदी केंद्रों में पंजीकृत किसानों से बातचीत कर व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने इन केंद्रों के प्रभारियों से कहा कि किसानों की मांग पर नए

खरीदे केंद्र खोले गए हैं। यहां धान बेचने आने वाले किसानों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएं। धान बेचने में किसानों की सहूलियत के लिए कबीरधाम जिले में इस साल आठ नए धान खरीदी केंद्र खोले गए हैं।

पुलिस जवानों को आवास आवंटन का काम पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ करें : भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने डीजीपी को दिए निर्देश

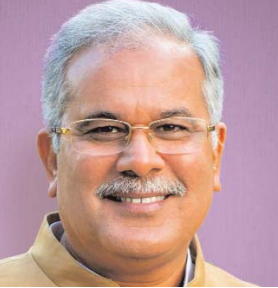
■ मुख्यमंत्री ने कहा पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक स्वयं और सतत करें समीक्षा

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पुलिस जवानों को शासकीय आवास आवंटन का काम पूरी पारदर्शिता पर गंभीरता के साथ करने के निर्देश पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जवानों को आवास आवंटन का काम उपलब्धता के आधार पर प्राथमिकता के साथ किया जाए और काम में पूरी पारदर्शिता रखी जाए।

उन्होंने डीजीपी सहित पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षकों को इस कार्य को पूरी गंभीरता से करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि पुलिस के जवान 24 घण्टे जनता की सेवा में लगे रहते हैं, उनकी समस्याओं का निराकरण जहां तक सम्भव हो सके तत्परता से किया जाना चाहिए, ताकि जवानों की भावनाएं आहत न हों और उनका मनोबल बना रहे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि डीजीपी स्वयं आवास संबंधी मामलों की समीक्षा करें और प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करें। प्रत्येक जिले में एसपी भी अपने जिलाबल के जवानों को आवास आवंटन के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण करें और



इसकी सतत समीक्षा करें। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पुलिस जवानों की समस्याओं के निराकरण के लिए शुरू से ही बेहद संवेदनशील हैं। अपराधों पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस जवानों की ड्यूटी बेहद अनुशासन और तनावपूर्ण रहती है। पुलिस जवानों का मानसिक तनाव कम हो और वे नवीन ऊर्जा के साथ कार्य

कर सकें इसके लिये राज्य शासन द्वारा कई सालों से पुलिसकर्मियों की सामाहिक अवकाश की मांग को पूरा किया गया है। इस क्रम में विगत तीन वर्षों में पुलिसकर्मियों के कल्याण हेतु विभिन्न योजनायें शुरू की गई हैं। पुलिस परिवार के करीब 72 हजार जवानों एवं उनके परिजनों के लिए विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रम प्रारंभ किये गये हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार नक्सल हिंसा में शहीदों और उनके परिजनों के प्रति पूरी संवेदनशील है। शासन द्वारा नक्सल हिंसा में शहीद जवानों के आश्रित परिजनों को दी जाने वाली एक्सग्रेसिया राशि 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गयी है। मुख्यमंत्री बघेल के

निर्देश पर पुलिस जवानों के शहीद एवं सामान्य मृत्यु के प्रकरणों को बेहद ही संवेदनशीलता के साथ निराकृत कर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही पुलिस बल, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में तैनात पुलिस जवानों का तनाव कम करने सभी जिलों में रोस्टर बनाकर योगा शिक्षकों की सहायता से योगा क्लासेस भी शुरू की गयी है। खेल गतिविधियों से जोड़कर जवानों का तनाव दूर करने का भी प्रयास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ पुलिस के कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर छत्तीसगढ़ पुलिस सेवा सम्मान निधि के रूप में 1 लाख रुपये दिये जाते थे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इसे बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दिया गया है।

एआईसीटीई-सीएसवीटीयू (एमओयू) का साझा 12 दिवसीय नॉन टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई के संयुक्त तत्वावधान श्रीशंकराचार्य इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, रायपुर में 6 दिसंबर से 18 दिसंबर तक विषय 'अर्थोशिक कर्मचारी वर्ग के स्वास्थ्य एवं कार्य समर्थ' हेतु विविध प्रशिक्षण पर 12 दिवसीय नॉन टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजित होने जा रहा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन, मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई के कुलपति माननीय प्रोफेसर एम. के. वर्मा के कर कमलों द्वारा होगा। एआईसीटीई-सीएसवीटीयू (एफडीपी) के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आर. एन. खरे, प्राचार्य विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज, अंबिकापुर ने इस कार्यक्रम के



विशेषता के बारे में बताया कि यह छ.ग. प्रदेश का तृतीय नॉन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम है प्रमुख रूप से अर्थोशिक कर्मचारी वर्ग के कार्य शैली को उत्कृष्टता प्रदान करना है। इसकी सहायता से वे वैश्वीकरण के इस युग में बहुत तेजी से विकासशील प्रौद्योगिकी के साथ काम करने के लिए आवश्यक, उन्नत कौशल की जा रहा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन, मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई के कुलपति माननीय प्रोफेसर एम. के. वर्मा के कर कमलों द्वारा होगा। एआईसीटीई-सीएसवीटीयू (एफडीपी) के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आर. एन. खरे, प्राचार्य विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज, अंबिकापुर ने इस कार्यक्रम के

प्रतिभागी लाभान्वित होंग। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में पंजीकृत प्रतिभागियों की कुल संख्या 56 है जिसमे से 40 प्रतिभागियों को इस सत्र का लाभ लेने का अवसर प्राप्त होगा। इस समारोह में डायरेक्टर (एफडीसी) कर्नल बी. वेंकट जी, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् नई दिल्ली, पीएमसी चेयरमेन के रूप में डॉ. एस.पी.एस. मथारू जी, प्रोफेसर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर, डॉ. आर. एन. पटेल, प्रोफेसर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर, कुलसचिव डॉ. के. के. वर्मा जी, तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई, एसएसआईपीएमटी, रायपुर के चेयरमेन (बीजी) निशांत त्रिपाठी, प्राचार्य डॉ. आलोक कुमार जैन, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. हेमलता सिन्हा , कार्यक्रम सह-समन्वयक आनंद ताम्रकार, कार्यक्रम में उपस्थित देश भर के आये शिक्षाविद, समस्त अधिकारी एवं प्रतिभागियों की गरिमामयी उपस्थिति में समारोह सम्पन्न होगा।

महिला एवं बाल विकास विभाग में पर्यवेक्षक के 200 पदों पर होगी भर्ती

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग में पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) के रिक्त 200 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभाग में सुपरवाइजर के रिक्त पदों पर खुली सीधी भर्ती और परिसीमित सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति की जा रही है। इसके लिए छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। नियुक्ति के लिए छत्तीसगढ़ की मूल निवासी महिलाएं ही आवेदन कर सकती हैं। नियमानुसार आरक्षित श्रेणियों और दिव्यांगजनों के लिए भी पद आरक्षित हैं। खुली सीधी भर्ती में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समतुल्य उपाधि रखने वाली महिलाएं आवेदन कर सकती हैं। परिसीमित सीधी भर्ती के लिए केवल विभाग में 10 वर्षों से सतत कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ही आवेदन के लिए पात्र होंगी। आवेदन करने की प्रक्रिया 3 दिसम्बर से शुरू हो गई है। इच्छुक उम्मीदवार 30 दिसम्बर 2021 को रात 11.59 बजे तक व्यापम की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

बीरगांव में 208 तथा गोबरा-नवापारा में 5 अभ्यार्थियों ने नाम निर्देशन पत्र जमा किया

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर जिले में नगरीय निकाय निर्वाचन-2021 के तहत नगर पालिका निगम, बीरगांव में आज 3 दिसम्बर अंतिम दिवस तक 208 अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन पत्र जमा किया। नगर पालिका निगम बीरगांव के रिटर्निंग ऑफिसर बी बी पंचबाई ने बताया कि आज दिनांक तक वाई क्रमांक 1 अनारक्षित (महिला) के लिए 5, वाई क्रमांक 2 अनुसूचित जाति (मुक्त) के लिए 3, वाई क्रमांक 3, वाई क्रमांक 4 अन्य पिछड़ा वर्ग (महिला) के लिए 5, वाई क्रमांक 5 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 6, वाई क्रमांक 6 अनारक्षित (महिला) के लिए 6, वाई क्रमांक 7 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 6, वाई क्रमांक 8 अनुसूचित जाति (महिला) के लिए 7, वाई क्रमांक 9 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 8, वाई क्रमांक 10

अनुसूचित जनजाति (महिला) के लिए 4, वाई क्रमांक 11 अनारक्षित (महिला) के लिए 6, वाई क्रमांक 12 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 4, वाई क्रमांक 13 अन्य पिछड़ा वर्ग (मुक्त) के लिए 5, वाई क्रमांक 14 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 6, वाई क्रमांक 15 अनुसूचित जाति (मुक्त) के लिए 3, वाई क्रमांक 16 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 5, वाई क्रमांक 17 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 8, वाई क्रमांक 18 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 6, वाई क्रमांक 19 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 3, वाई क्रमांक 20 अनारक्षित (महिला) के लिए 8, वाई क्रमांक 21 अन्य पिछड़ा वर्ग (महिला) के लिए 6, वाई क्रमांक 22 अनुसूचित जाति (मुक्त) के लिए 5, वाई क्रमांक 23 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 7, वाई क्रमांक 24 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 7, वाई क्रमांक 25 अन्य पिछड़ा वर्ग (मुक्त) के लिए 6, वाई क्रमांक 26

अनुसूचित जाति (महिला) के लिए 4, वाई क्रमांक 27 अनुसूचित जनजाति (मुक्त) के लिए 4, वाई क्रमांक 28 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 4, वाई क्रमांक 29 अन्य पिछड़ा वर्ग (मुक्त) के लिए 3, वाई क्रमांक 30 अन्य पिछड़ा वर्ग (मुक्त) के लिए 6, वाई क्रमांक 31 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 7, वाई क्रमांक 32 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 6, वाई क्रमांक 33 अनारक्षित (महिला) के लिए 8, वाई क्रमांक 34 अन्य पिछड़ा वर्ग (मुक्त) के लिए 5, वाई क्रमांक 35 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 5, वाई क्रमांक 36 अनारक्षित (मुक्त) के लिए 4, वाई क्रमांक 37 अनारक्षित (महिला) के लिए 4, वाई क्रमांक 38 अनारक्षित (महिला) के लिए 4, वाई क्रमांक 39 अन्य पिछड़ा वर्ग (महिला) के लिए 3, वाई क्रमांक 40 अन्य पिछड़ा वर्ग (मुक्त) के लिए 5 अभ्यर्थी ने नाम निर्देशन पत्र जमा किया। नगर पालिका परिषद् गोबरा-

नवापारा के रिटर्निंग ऑफिसर निर्भय साहू ने बताया कि गोबरा-नवापारा में वाई नं 14 राधाकृष्ण वाई के लिए आज अंतिम दिवस तक 5 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया। उल्लेखनीय है कि नगरीय निकाय निर्वाचन-2021 के तहत नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 3 दिसम्बर तक थी। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 4 दिसम्बर 2021 को पूर्वाह्न 10 बजे से की जाएगी। अभ्यर्थियों से नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 6 दिसम्बर 2021 अपराह्न 3 बजे तक है। निर्वाचन ल?ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करना और निर्वाचन प्रतीकों का आबंटन 6 दिसम्बर 2021 को अभ्यर्थिता वापसी के बाद किया जायेगा। मतदान 20 दिसम्बर 2021 को प्रातः 8 बजे से अपराह्न 5 बजे तक किया जायेगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 23 दिसम्बर 2021 को सुबह 9 बजे से की जायेगी।

बंपर ड्रा में मिलेगा टीवीएस स्कूटर व लकी ड्रा में होम एप्लायसंस

क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो का आज होगा समापन, किसी ने प्लाट तो किसी ने फ्लैट लेने में दिखाई रुचि

■ बेस्ट लोकेशन का मनचाहा प्रोजेक्ट पाकर खुश हुए प्रापर्टी बायर्स

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो के दूसरे दिन शनिवार को प्रापर्टी की बुकिंग व साइट विजिट के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हुए थे। कल 5 दिसंबर तक चलने वाले इस एक्सपो में ज्यादातर ऐसे लोग पहुंचे हुए थे जो वास्तविक खरीदार थे। और उन्हें शहर के बेस्ट लोकेशन पर अच्छी सुविधाओं वाली प्रापर्टी लेना था। अपने बजट के अनुरूप लोगों ने प्लाट व फ्लैट की खरीदी में रूचि



दिखाई। एक्सपो में पहुंचे लोग इस बात को लेकर खुशी जाहिर कर रहे थे कि उन्हे मनपसंद प्रापर्टी लेने का विकल्प यहां मिल रहा है। कल, रविवार को एक्सपो का अंतिम दिन है।

लगभग दो साल अंतराल के बाद आयोजित क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो में शनिवार को लोग परिवार

सहित पहुंचे, जैसे ही वे एक्सपो स्थल पर प्रवेश कर रहे थे वेलकम के साथ हर विजिटर्स को बताया जा रहा था कि आप अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर दर्ज करायें, आपको क्रेडाई की तरफ से प्रायोजित लकी ड्रा में आकर्षक उपहार जीतने का मौका मिल सकता है। खुशी-खुशी लोग जानकारी दर्ज कराने के साथ



पूछ रहे थे कि क्या-क्या उपहार में हैं। जैसे कि मालूम हो बंपर ड्रा में टीवीएस स्कूटर तथा दैनिक लकी ड्रा में रेफ्रीजरेटर, वाशिंग मशीन, ओवन, होम थियेटर के साथ अन्य उपहार दिए जा रहे हैं। वहीं स्टॉल होल्डर्स, बिल्डर्स अपनी ओर से अलग उपहार स्पॉट बुकिंग कराने पर दे रहे हैं।

प्रापर्टी बायर्स को फाइनेंस की सुविधा प्रदान करने के लिए एसबीआई, एचडीएफसी व पीएनबी जैसे बैंक के स्टॉल भी एक्सपो में लगे हुए हैं जो लोन की सारी प्रक्रिया को आसानी से समझा रहे हैं। लोन में दिक्कत इसलिए नहीं है क्योंकि क्रेडाई से संबद्ध बिल्डर्स यहां भाग ले रहे हैं और सभी की काफी

अच्छी साख है। क्रेडाई है तो वैधानिक प्रोजेक्ट ही मिलेंगे। नई उम्मीद -नया सपना, घर होगा- अब अपना। स्लोगन के साथ एसबीआई होम लोन के लिए 6.70 प्रतिशत का ब्याज दर आपर कर रहे हैं। यदि बैंकों के ब्याज दर की बात करें तो यह काफी कम है इसलिए लोन लेने का भी अच्छ समय है।

शहर के सभी लोकेशन को प्रोजेक्ट मौजूद होने से शहरवासियों को प्रापर्टी एक्सपो में एक ही जगह पर सभी बड़े बिल्डर्स व डेवलपर्स की योजनाएं मिलने की वजह से लोगों को प्रापर्टी खरीदने में बेहद आसानी हो रही थी। पसंद आने पर उन्होंने तत्काल स्पॉट पर बुकिंग भी करायी। एक्सपो में शहर के जाने

माने 40 से अधिक बिल्डर्स अपने प्रोजेक्ट्स लेकर मौजूद हैं। न्यू लॉचिंग की जानकारी भी दी जा रही थी। छत्तीसगढ़ क्रेडाई के अध्यक्ष मृणाल गोलछा, प्रोग्राम चेयरमेन संजय रहेजा, को-चेयरमेन अशोक मूंदड़ा ने बताया कि क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो में आने वाले लोग इसलिए खुश दिखे कि उन्हें अपनी पसंद के लिए कहीं अलग अलग जाने की जरूरत नहीं पड़ रही बल्कि एक ही जगह पर सारे विकल्प हैं। जैसा बजट वैसी प्रापर्टी,पाकर लोग स्पॉट पर ही बुकिंग करा रहे थे। दो दिन में काफी अच्छ शरियां दिखा, कल रविवार को एक्सपो का आखिरी दिन है।

एक्सपो में शामिल हैं बिल्डर्स

अविनाश गुप, आरती गुप, वालफोर्ट बिल्डिंग होम, ऐश्वर्या गुप, रहेजा गुप, वीआईपी सिटी, रजत बिल्डक, सिंघानिया बिल्डकों, आनंदम वर्ल्ड सिटी, पार्थिवी कंस्ट्रक्शन प्रा.लि., ऋषभ बिल्डर्स, शेफाला, जेटी गुप, वर्तमान गुप, मोशर्मा इंफ्रस्ट्रक्चर, क्लासिक गुप, हिमालया इफ प्रोजेक्ट्स, व्हीजीआर रियल एस्टेट, गोल्फ ग्रीन्स, पायोनियर होम्स, भारद्वाज प्रमोटर्स एंड बिल्डर्स, वुड्स एस्टेट, मल्टी स्पेट्स सिटी, चैतन्य ग्रीन्स, बजाज टाउनशिप, शिवा बिल्डर्स प्रमोटर्स, वीबीसी इंफ्रास्ट्रक्चर, ऐश्वर्यम विले, मोनिका बिल्डर्स एंड डेवलपर्स, मेट्रो पार्क, रवास्तिक गुप, कोरेंज, ड्रीम होम्स।



कलेक्टर की अध्यक्षता में समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का के उपार्जन के लिए बैठक आयोजित

कलेक्टर ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

मिलर्स धान का उठाव समय पर करना सुनिश्चित करें

पायनियर संवाददाता < नारायणपुर
www.dailypioneer.com

खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्के का उपार्जन विगत 1 दिसम्बर से प्रदेश सहित जिले में प्रारंभ हो गया है। धान उपार्जन केन्द्र में धान खरीदी बारदाना व्यवस्था, धान उठाव, कस्टम मिलिंग के संबंध में कलेक्टर धर्मेंश कुमार साहू की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पर्यवेक्षण दल सहित मिलर्स, समिति प्रबंधक एवं खरीदी प्राभारियों की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान कलेक्टर

साहू ने कहा कि धान उपार्जन केन्द्रों में समुचित व्यवस्था एंव रख-रखाव के लिए जिला स्तरीय प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की गयी है, वहीं नोडल अधिकारियों की भी नियुक्ति की गयी है, जो प्रतिदिन वहां की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से बनाये रखेंगे और वहां की समस्याओं का निदान भी करेंगे। बैठक में कलेक्टर ने मिलर्स से चर्चा के दौरान कहा कि उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी प्रारंभ कर दी गयी है। धान का मिलर्स समय पर उठाव करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा उन्होंने बैंक गारंटी, पूर्व में प्रदाय बारदाने की आपूर्ति के संबंध में दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मिलर्स को पहले से ही पर्याप्त मात्रा में बारदाने प्रदाय किये गये है, उन बारदानों को समितियों में समय पर वापस लौटायें। इस अवसर पर जिला खाद्य अधिकारी एचएल

डङ्सेना, जिला विपणन अधिकारी निषाद, नोडल अधिकारीप्रतीक अवस्थी, जिला शिक्षा अधिकारी जीआर मंडावी, कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास रविकांत ष्कर्वे, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास संजय चंदेल के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर धर्मेंश कुमार साहू ने धान उपार्जन केन्द्रों में नियुक्त नोडल अधिकारी केन्द्र की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाये रखेंगे। इसके लिए परिसर की साफ-सफाई, टोकन काटे जाने वाले स्थान में रैशन सहित अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखेंगे। इसके साथ ही केन्द्र में संधारित की जाने वाली पंजीयों टोकन पंजी, टोकन आवक पंजी, खरीदी पंजी इत्यादि का समुचित संधारण करेंगे। इसके अलावा केन्द्र में धान की

नमी जांच, बोरा भराई, तौलाई, बोरे की स्टेकिंग और ड्रेनेज आदि की व्यवस्था पूर्व से करें। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी के समय किसी भी विषय पर कोई विवाद न हो इस बात का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि मिलर्स से प्राप्त बारदानों का पहले उपयोग करें। उसके पश्चात समिति के बोरो का उपयोग करें। कलेक्टर ने बताया कि राज्य शासन द्वारा पूर्व में बारदानों की दर 18 रुपये प्रति बोरा की गयी थी, जिसमें वृद्धि करते हुए अब 25 रुपये कर दी गयी है। किसानों को बारदाना विक्रय करने हेतु प्रेरित करें। इसके साथ ही धान उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, प्रकाश, मेडिकल किट, सेनेटाईजर आदि रखें। केन्द्र में काम करने वाले कर्मचारी कोरोना प्रोटोकाल का पालन करें, इस बात का ध्यान रखें।

कलेक्टर साहू ने कहा कि

धान खरीदी केन्द्रा में धान विक्रय करने के लिए आने वाले किसानों का कोविड-19 वैक्सीनेशन किया जायेगा, इसके लिए मेडिकल दल की व्यवस्था की गयी है। यह दल प्रतिदिन निर्धारित स्थल एवं समय पर उपलब्ध रहेंगे। जिले के ऐसे किसान जिन्होंने कोविड-19 का टीहाका नहीं लगावाया है। वे इन केन्द्रों में टीका लगवा सकते हैं। इसके साथ ही केन्द्रों में सुझाव पेटी भी रखें, जिसकी जिम्मेदारी नोडल अधिकारी की होगी। उन्होंने कहा कि धान विक्रय करने के लिए आने वाले छोटे किसानों को प्राथमिकता देंवें, बड़े किसानों को सूची में रखे। धान की तौलाई हेतु धर्म कांठा में 2 लोगों की ड्यूटी लगायी जाये। इन सभी कार्यों का नोडल अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी प्रतिदिन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

आगजनी हत्या में शामिल 1 नक्सली सहित 16 जन मिलिशिया माओवादी सदस्य ने किया आत्मसर्पण



पायनियर संवाददाता < किरंदुल
www.dailypioneer.com

माओवादियों के पश्चिम बस्तर गंगालुर एरिया कमेटी के नक्सल अग्र संगठन में बरसो से जुड़े हुए सक्रिय 16 माओवादियों ने संगठन के खोखली विचारधारा से तंग आकर शनिवार किरंदुल थाने में आकर आत्मसमर्पण किया है। एसपी डॉ अभिषेक पल्लव के अनुसार नक्सली संगठन में सक्रिय माओवादियों से आत्मसमर्पण कर

सम्मानपूर्वक जीवनयापन करने के लिये लगातार आव्हान कर अपील किया जा रहा है।

शनिवार जन मिलिशिया सदस्य ग्राम कुट्टेम थाना किरन्दुल क्षेत्र के 16 माओवादियों ने नक्सली विचारधारा त्याग कर समाज के मुख्यधारा में लौट आए हैं। आत्मसमर्पित माओवादी जिले के विभिन्न स्थान पर नक्सली कमाण्डों के आदेश पर रोड़ खोदना पेड़ काटना वाहनों में आग लगाना

संतरी ड्युटी कर पुलिस के मुन्हमेन्ट का रैक्री करना नक्सलियों के लिए भोजन सामाग्री एकत्रित कर उन्हें उपलब्ध कराना तथा नक्सली बैनर पोस्टर लगाकर नक्सली विचारधारा का प्रचार-प्रसार करते थे।इस दौरान थाने में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कर्ण कुमार उड्के उप निरीक्षक शशिकांत टंडन थाना प्रभारी किरन्दुल एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

हर सोमवार को होगा कलेक्टर जन चौपाल का आयोजन

बीजापुर। कलेक्टोरेट बीजापुर में अब हरेक सोमवार को प्रातः साढ़े 10 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक कलेक्टर जन चौपाल का आयोजन किया जायेगा। जिसमें कलेक्टरराजेन्द्र कुमार कटारा जिले के आम जनता से रूबरू होकर उनकी समस्या -शिकायतें सुनेंगे और त्वरित निराकरण के लिए पहल करेंगे। इस दौरान जनसाधारण अपनी समस्या-शिकायतें समक्ष में रख सकते हैं।

पैसे की लालच में आकर किया शिक्षक की हत्या, अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी

पायनियर संवाददाता < बीजापुर
www.dailypioneer.com

पैसे की कमी एवं अधिक पैसा कमाने की लालच में अपने दो साथियों के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से घटना को दिय गया अंजाम सायबर सेल की मदद से घटना के मुख्य आरोपी को किया गया गिरफ्तार, थाना नेलसनार की कार्यवाही पोटाकेबिन स्कूल नेलसनार कड़ेयामपारा के पास मोटरसायकल सवार नकाबपोश तीन अज्ञात व्यक्तियों द्वारा लूट के इरादे से शिक्षक महेन्द्र तर्मा की देशी कट्टा से गोली मारकर हत्या कर दिये थे । प्रकरण में थाना नेलसनार में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । मामले की गंभीरता को देखते हुये



अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ पंकज शुक्ला के नेतृत्व में टीम का गठन कर आरोपियों की पता तलाश की गई । विवेचना के दौरान तथ्यों के आधार पर प्रकरण के संदेही अर्जुन कड़ती पिता स्व बुधराम कड़ती उम्र 26 वर्ष निवासी पाटलीगुड़ा थाना मिरतुर से बारिकी से पुछताछ की गई । पूछताछ पर संदेही अर्जुन कड़ती द्वारा अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर पैसा लूट करने के इरादे से घटना कारित करना बताया गया । आरोपी द्वारा बताया गया कि मृतक महेन्द्र तर्मा पूर्व में भी दीपावली के समय अधिक राशि लेकर जुआ खेलने मिरतुर जाता

था इसके पास अधिक रकम होना देखा गया था । आरोपी अपने दोनो साथियों के साथ महेन्द्र तर्मा पर नजर रखे हुये था । घटना दिनांक को महेन्द्र तर्मा अपने निजी कार से नेलसनार कड़ेयामपारा पोटा केबिन स्कूल के पास अपने साथी के आने का इंतजार कर रहा था तभी यह अपने दोनो साथियों के साथ मिलकर लूट के इरादे से अपने पास रखे देशी कट्टा से महेन्द्र तर्मा को गोली मारकर हत्या कर दिये और उसके पास से 20000/- नगद, मोबाईल विवो जेड-1 कीमती 18000/- एवं शिक्षक के साथी सुरेन्द्र राम नेताम के पास से 600/- नगद व विवो

मोबाईल कीमती 14000/- लूट कर ले गये थे । घटना के मुख्य आरोपी अर्जुन कड़ती के मेमोरण्डम कथन के आधार पर आरोपी के निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गया होण्डा एसपी 125 लाल रंग का मोटर सायकल व 315 बोर देशी कट्टा, लूट की रकम 5000/- एवं घटना के समय पहने कपड़े व मोबाईल पाटलीगुड़ा मिरतुर से बरामद किया गया ।प्रकरण में आरोपी अर्जुन कड़ती के विरुद्ध अपराध धारा का सबुत पाये जाने से थाना नेलसनार में वैधानिक कार्यवाही उपरान्त माननीय न्यायालय बीजापुर पेश किया गया है। प्रकरण के फरार अपने दोनों आरोपियों की पता तलाश जारी है ।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों की भर्ती के लिए दावा आपत्ति 7 दिवस के भीतर आमंत्रित

पायनियर संवाददाता < दंतेवाड़ा
www.dailypioneer.com

एकोकृत बाल विकास परियोजना बारसूर के पत्रक अनुसार ग्राम पंचायत अन्तर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों की भर्ती हेतु विज्ञान जारी किया गया था। समिति के प्रथम मूल्यांकन बैठक पश्चात मूल्यांकन पत्रक तैयार किया गया है। जिसके लिए दावा आपत्ति 7 दिवस के भीतर आमंत्रित की गई है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पदों के लिए पात्र/अपात्र की जारी सूची में ग्राम पंचायत कौरगांव गुफापारा से सावित्री अलामी (पात्र), महिमा(पात्र), जयमति नेताम(अपात्र), ग्राम पंचायत कोरलापाल नागफनी सरपंच पारा से कुमारी फूलमती तर्मा(पात्र), शर्मिला

कश्यप (अपात्र), कुमारी रीना अलामी (अपात्र), कौशल्या (पात्र), रामबती वेट्टी (पात्र), सुशिला नेताम (अपात्र), अनिता (पात्र), ग्राम पंचायत घोटपाल कामापारा से भाग्यवती यादव (पात्र), सरोज यादव (पात्र), लक्ष्मी कोबासी (पात्र), सुशिला नेताम (अपात्र), रामबती लेखामी (पात्र), कुमारी शिव कुमारी कोबासी (पात्र), ज्योती भरकाम (पात्र), संतोषी नेताम (अपात्र), कुमारी ललिता कश्यप (अपात्र), ग्राम पंचायत गुटोली तारलापाल स्कूलपारा से तुलसी जुर्ी (पात्र), पार्वती इस्ताम (अपात्र), कुमारी रीना अलामी(पात्र), कुमारी रंजना (अपात्र), ग्राम पंचायत मुचनार सरपंचपारा से ललिता नाग(पात्र), कुमारी मनिषा नाग

(पात्र), कुमारी करूणा नाग(पात्र), प्रतिभा नाग (अपात्र), रामबती भास्कर (अपात्र), बसंती ठाकुर (अपात्र) शामिल है। आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों के लिए पात्र/अपात्र की जारी सूची में ग्राम पंचायत कोरलापाल नागनी स्कूलपार से नीला यादव(पात्र), कुमारी शांति नाग(पात्र), कौशल्या(पात्र), ग्राम पंचायत कासोली मडियापार से पांडे बाई अटामी (पात्र), मनबती अटामी (पात्र), मीना वेक (अपात्र), ग्राम पंचायत कासोली पदामीपारा से शिमला ठाकुर (अपात्र), मीना वेक (अपात्र), कमला भास्कर (पात्र), दुलमा यादव (पात्र), अम्बे भास्कर(पात्र), बती कश्यप (पात्र), सीला अटामी(पात्र), कुमारी फूलमती अटामी (पात्र), ग्राम

पंचायत बुधपदर कोटवारपारा से प्रमिला वेक(अपात्र), बबली भास्कर (अपात्र), सरिता कश्यप (पात्र), ग्राम पंचायत जोड़ातराई मंझारपारा से मुन्नी नेताम(पात्र), सत्यवती नेताम(अपात्र), मोती नेताम(पात्र), ग्राम पंचायत कौरगांव हल्बापारा से कुमारी आसमती कडकी, गल्लेबाई कड़की, समो कडकी इनका किसी भी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं है। ग्राम पंचायत उपेट स्कूलपारा से कुमारी पुष्पा (अपात्र), कुमारी सुनिता (पात्र), चन्दनी कश्यप (पात्र), ग्राम पंचायत मुचनार मल्लुमुण्डा टोन्डो अलामी (पात्र), सुमित्रा इचमी (पात्र), फूलमती कुजाम (पात्र), रामबती भास्कर (अपात्र), सुनिता (पात्र), प्रतिभा नाग (अपात्र), शामिल है।

कोविड-19 टीकाकरण जागरूकता रैली का आयोजन

कांकेर। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र कांकेर में कोविड-19 टीकाकरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. देव शंकर द्वारा सभी प्राध्यापकों कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के साथ-साथ कृषि फार्म में कार्यरत कर्मचारियों को सम्बोधित किया गया। कोविड-19 महामारी के बचाव हेतु टीकाकरण की अनिवार्यता एवं सुनिश्चितता पर बल दिया गया। अन्य सावधानियाँ जैसे सेनेटाईजेशन, दो-गज की दूरी, माँस्क पहनना आदि अपनाने के लिए लोगों को आह्वान किया गया। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र कांकेर के अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के द्वारा डुमरपारा सिंगारभाट में जन जागरूकता रैली निकाली गई।

समूह अग्रिम पक्ति प्रदर्शन अंतर्गत दलहनी एवं तिलहनी फसलों का किया जाएगा प्रदर्शन

पायनियर संवाददाता < दंतेवाड़ा
www.dailypioneer.com

वित्त दिवस ग्राम बिंजाम में कृषि विज्ञान केन्द्र, दन्तेवाड़ा के वैज्ञानिकों द्वारा समूह अग्रिम पक्ति प्रदर्शन योजना अंतर्गत बीज वितरण एवं दलहनी फसलों का ट्राईकोडर्मा से बीजोपचार की विधि बताई गई। कार्यक्रम के शुरुआत में मीडोप्रेशन बजारा (विषय वस्तु विशेषज्ञ, सस्य विज्ञान) ने किसानों का स्वागत करते हुए इस कार्यक्रम की शुरुआत की। समूह अग्रिम पक्ति प्रदर्शन योजना अंतर्गत पूरे जिले में 25-25 एकड़ में क्रमशः चना एवं मटर तथा 25 एकड़ सरसों की खेती का प्रदर्शन किया जायेगा। चना एवं मटर की खेती के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि चना एवं मटर की खेती

मध्यम से भारी भूमि में की जाती है, किन्तु कन्हार भूमि अधिक उपयुक्त है। इन फसलों की बुआई का उचित समय 15 नवंबर से 15 दिसंबर तक किया जा सकता है।लंबंजारा ने किसानों को कतार बोनी हेतु प्रेरित किया और बताया कि कतार बोनी करने से बीज दर को 50 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है जिससे बीज में लगने वाली लागत आधी हो जायेगी एवं निंदाई गुड़ाई करने में आसानी होगी।

पूनम कश्यप (यंग प्रोफे शनल-2) ने ट्राईकोडर्मा द्वारा बीजोपचार के बारे में बताते हुए कहा कि ट्राईकोडर्मा एक बायोएजेंट है जिससे फसल में होने वाली बीमारियों से फसल को बचाया जा सकता है। साथ ही चने

में बीज उपचार की विधि को प्रदर्शन करते हुए बताया कि 1 किलोग्राम चने को 5 ग्राम ट्राईकोडर्मा द्वारा उपचारित करने से चने में लगने वाली बिमारियां जैसे जड़ गलन, उकठा रोग इनको नियंत्रित किया जा सकता है। तत्पश्चातविक्की कुमार नेताम (यंग प्रोफे शनल-2) द्वारा जैव उर्वरकों के बारे में जानकारी बताई गई जिसमें उन्होंने बताया कि 10 किलोग्राम चने में 250 ग्राम राईजोबियम जेड. एस.बी. के.एस.बी. एवं पी.एस.बी. का उपयोग किया जाता है। इस उपचार द्वारा फसल में अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। इस कार्यक्रम में 50 किसानो ने भाग लिया जिन्हें चना एवं मटर बीज का वितरण किया गया।

कोविड-19 टीकाकरण जागरूकता रैली का आयोजन

कांकेर। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र कांकेर में कोविड-19 टीकाकरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. देव शंकर द्वारा सभी प्राध्यापकों कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के साथ-साथ कृषि फार्म में कार्यरत कर्मचारियों को सम्बोधित किया गया। कोविड-19 महामारी के बचाव हेतु टीकाकरण की अनिवार्यता एवं सुनिश्चितता पर बल दिया गया। अन्य सावधानियाँ जैसे सेनेटाईजेशन, दो-गज की दूरी, माँस्क पहनना आदि अपनाने के लिए लोगों को आह्वान किया गया। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र कांकेर के अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के द्वारा डुमरपारा सिंगारभाट में जन जागरूकता रैली निकाली गई। बीज ने कोविड-19 के टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए नारे जैसे -टीकाकरण अपनाना है, कोविड को दूर भगाना है:- तथा -दो गज की दूरी मास्क है जरूरी- आदि नारा लगाये गये। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. पी.एस. मरकाम, अनिल कुमार नेताम, देवचंद सलाम, हेमन्त टोप्पो, कृषि विज्ञान केन्द्र, कांकेर के वैज्ञानिक सुरेश मरकाम, डॉ. कोमल केराम, दिनेश सिन्हा, प्रदीप देवांगन एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी गंगाधर भगत द्वारा किया गया।

सम्मेलन में दुनिया भर के 3500 प्रतिनिधि शामिल हुए

एनएमडीसी पॉलीटेक्निक को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में क्यूसीएफआई ने दिया उत्कृष्ट पुरस्कार

पायनियर संवाददाता < बचेली
www.dailypioneer.com

क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया (क्यूसीएफआई) के द्वारा 24-27 नवंबर, 2021 के दौरान ह्यूहैराबाद में ‘क्रालिटी कंट्रोल सर्कल्स (आईसीक्यूसीसी - 2021) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन’ का आयोजन हुआ। सम्मेलन में दुनिया भर से लग-भग 3500 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। इस चार दिवसीय कार्यक्रम में 904 टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें भारत से बड़ी संख्या में टीमों ने भाग लिया ।

वर्तमान वैश्विक महामारी की स्थिति, समाज और अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव को ध्यान में रखते हुए सम्मेलन की मेजबानी ‘सामाजिक



और आर्थिक बदलाव की गुणवत्ता अवधारणा’ विषय पर की गई। इस महामारी से मिली सीख से पता चलता है कि सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों में नवीन समाधान और उसके तरीके विकसित करने के लिए प्रेरित किया है। इस सम्मेलन में

मौजूद कई गणमान्य विशेषज्ञों और चिकित्सकों ने अपने विचारों एवं दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करते हुए कम लागत मे समस्याों का निवारण हेतु पथ प्रदर्शित किया। सम्मेलन में फोरम मॉडल और चार्ट के माध्यम से केस स्टडी व एक मॉडल प्रदर्शनी और होम

काइजन प्रदर्शनी का भी प्रस्तुतिकरण किया गया। कुछ माह पूर्व एनएमडीसी पॉलीटेक्निक की क्वालिटी सर्किल टीम मैकेनिकल विभाग स्टाफ ने राज्य स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया था और क्वाहालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया, भिलाई चैप्टर द्वारा इस टीम को

आयोजित “गोल्ड अवार्ड” से उन्हें सम्मानित किया गया । इसी आधार पर क्वालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया हैदराबाद द्वारा आयोजित नेशनल कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स 2020 में राष्ट्र स्तर की भागीदारी के लिए टीम का चयन हुआ। इस स्तर पर टीम ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एक्सीलेंस अवार्ड प्राप्त किया है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने जानकारी दी कि टीम ने इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है जो कि सभी के लिए हर्ष की बात है। एनएमडीसी पॉलीटेक्निक टीम में प्राचार्य फैसलिरिट्टेर के रूप में हैदराबाद में सम्मन्न हुई प्रतियोगिता में शामिल हुए एनएम अपना प्रेजेंटेशन दिया। मैकेनिकल शाखा के खन्न बीन्

कुमार एवं श्याम केशरवानी ने टीम सदस्य के रूप में प्रेजेंटेशन दिया। एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित होने पर एन एम डी सी प्रबंधन की ओर से मुख्य महाप्रबंधक बचेली प्रणब कुमार मजुमदार ने सीएसआर विभाग, महाविद्यालय के प्राचार्य एवं सचिव स्टाफ को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। महाविद्यालय के द्वारा यह उपलब्धि न केवल दंतेवाड़ा बल्कि पूरे बस्तर संभाग के लिए गर्व की बात है। डी ए व्ही प्रबंधन की ओर से शिव रमन गौर डायरेक्टर, डी ए व्ही सीएमसी एवं प्रशांत कुमार रोजनल डायरेक्टर ने भी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं प्रेषित की एवं भविष्य में इस प्रदर्शन को बरकरार रखने को कहा।

दिसम्बर से मार्च 2022 तक राशन कार्डधारियों को मिलेगा निःशुल्क चावल

पायनियर संवाददाता < बीजापुर
www.dailypioneer.com

राज्य शासन द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत प्रचलित राशन कार्डों तथा छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जारी अंत्योदय, प्राथमिकता, एकल निराश्रित और निःशक्तजन राशनकार्डों पर माह दिसम्बर 2021 से मार्च 2022 तक नियमित एवं अतिरिक्त आबंटन के खाद्यान्न का वितरण निःशुल्क किये जाने का निर्णय लिया गया है। जिसके तहत माह दिसम्बर 2021 हेतु चावल का अतिरिक्त आबंटन जारी कर दिया गया है और उचित मूल्य दुकानों में भंडारण किया जा रहा है। उक्त दिशा-निर्देश के अनुरूप उचित मूल्य की

दुकानों में स्थापित ई-पांस उपकरण या टैबलेट में राशन कार्डधारी हितग्राहियों की वितरण हेतु प्रदर्शित पात्रता के आधार पर चावल का वितरण सुनिश्चित किया जायेगा। इस दिशा में हितग्राहियों से आग्रह किया गया है कि ई-पांस उपकरण या टैबलेट में प्रदर्शित पात्रता अनुसार चावल का उठाव करें। सामान्य राशन कार्डों पर खाद्यान्न का वितरण वर्तमान में प्रचलित मासिक पात्रता एवं उपभोक्ता दर अनुसार ही किया जायेगा। माह दिसम्बर 2021 से मार्च 2022 तक आबंटित खाद्यान्न के भंडारण एवं वितरण की समुचित मॉनिटरिंग का दायित्व राजस्व, खाद्य एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों की संयुक्त मॉनिटरिंग समिति द्वारा की जावेगी।



संपादकीय

विपक्ष की दुविधा

राष्ट्रीय विकल्प आवश्यक

केवल क्षेत्रीय शक्तियों का मोर्चा बना कर विपक्ष भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकता है, इसके लिए एक राष्ट्रीय विकल्प जरूरी है। क्या राकांपा के शरद पवार को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-संग्रग का अध्यक्ष बनाया जाएगा? यह अनेक संभावनाओं से भरा सवाल है जिसका जवाब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री तथा तुणमूल कांग्रेस मुखिया ममता बनर्जी को देना होगा, लेकिन इस प्रभावी नेता का जवाब भ्रामक है। उन्होंने कहा, ‘क्या यूपीए है? अभी यूपीए नहीं है?’ इसका अर्थ यह लगाया गया कि वे संग्रग तथा विस्तारित रूप से कांग्रेस की प्रासांगिकता पर सवाल उठा रही हैं। इस व्याख्या का अपना अर्थ इसलिए है क्योंकि अनुमान है कि ममता बनर्जी 2024 में भाजपा का मुकाबला करने के लिए एक गैर-कांग्रेस विपक्षी मोर्चा बना रही हैं। क्या उनके कथन का अर्थ यह है कि ममता संग्रग मुखिया के रूप में शरद पवार की क्षमता खारिज कर रही हैं? यह नहीं पता कि ममता और पवार ने मुंबई में क्या बातें कीं। हालांकि, पवार ने भाजपा का मुकाबला करने के लिए समान सोच वाले दलों के एकसाथ आने की आवश्यकता पर जोर दिया, मज्जेदार बात है कि यह दो शक्तिशाली पूर्व कांग्रेस नेताओं की बैठक थी जो 2024 की स्थिति पर विचार कर रहे हैं। ममता ने 1997 में कांग्रेस छोड़ी थी और शरद पवार ने इसके दो साल बाद।

यदि ममता और पवार एवं तथाकथित विरोधी जी-23 नेताओं पर गौर किया जाए तो विस्तारित कांग्रेस पर काफी चर्चा हो रही है। इससे पुरानी स्मृतियां जागती हैं, जब छतरी के रूप में जनता पार्टी तैयार हुई थी। लेकिन जब विपक्षी नेताओं के बीच थोड़ा समन्वय बन रहा था तब इसमें कई बार विभाजन हुआ। क्या अब पूर्व जनता पार्टी बनाने जैसा कोई प्रयास है। कांग्रेस में आज बहुत कुछ दांव पर लगा है। संग्रग के बजाय इस पार्टी की प्रासांगिकता पर सवाल उठ रहे हैं। पार्टी के भीतर उसके प्रथम परिवार को चुनौती देने के लिए स्पष्ट आंदोलन चल रहा है। यदि कांग्रेस अगले विधानसभा चुनावों में खासकर पंजाब व अरुणांचल में बेहतर प्रदर्शन नहीं करती है तो एक और विरोध शुरू हो सकता है। संग्रग के बारे में प्रतिक्रिया के बावजूद ममता राष्ट्रीय राजनीति की मूल संरचना समझती हैं। वे जानती हैं कि भाजपा के खिलाफविपक्ष को 2024 में एक राष्ट्रीय विकल्प बनाना होगा और केवल क्षेत्रीय शक्तियां उसका मुकाबला नहीं कर सकती हैं। इन शक्तियों को एक राष्ट्रीय छतरी के नीचे आना होगा और उनका एक चेहरा होना चाहिए। कुछ लोग सोच रहे हैं कि यदि वर्तमान संग्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी सेवानिवृत्त होना पसंद करें तो क्या वे अपने स्थान पर राष्ट्रीय उपस्थिति वाला एक क्षेत्रीय नेता लाना तथा रहूल गांधी को पार्टी अध्यक्ष के रूप में कांग्रेस संचालन के लिए छोड़ना पसंद करेंगे। लेकिन यह अनुमान 2024 में कांग्रेस द्वारा अपने दम पर 100 सीटें न ला पाने की कल्पना पर आधारित है। वर्तमान समय में विश्व खामोश है और वह कांग्रेस में संगठनात्मक चुनाव पूरे होने की प्रतीक्षा कर रहा है। इससे अगले कांग्रेस अध्यक्ष के बारे में भ्रम दूर हो जाएगा और यह भी तय होगा कि अगला संग्रग अध्यक्ष कौन होगा। हालांकि, समाधान का एक और तर्क भी दिया जा रहा है। यदि क्षेत्रीय शक्तियां कहती हैं कि कांग्रेस भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकती है तो उसे दूसरा विकल्प बनाना होगा। कांग्रेस इसके जवाब में कह सकती है कि गैर-भाजपा क्षेत्रीय शक्तियां हिंदी हृदय प्रदेश के आसपास मौजूद हैं, लेकिन उनका बहुत महत्व नहीं है। ऐसे में देखना होगा कि उत्तर प्रदेश चुनाव में समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन कैसा रहेगा क्योंकि इससे यह तर्क प्रभावित होगा।

ओमिक्रोन के संदर्भ में कोरोना के अनुभव पाठशाला सिद्ध हो सकते हैं

नवीन जैन,

स्वतंत्र वरिष्ठ पत्रकार

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल में कोविड 19 के अभी तक के सबसे ताकतवर, घातक, और मारक वैरिएंट ओमिक्रोन के दुनिया भर में फैलने की आशंका की मुनादी करके फिर कई देशों की सरकारों, और लोगों की नौद उड़ा दी है। उक्त संगठन ने कहा है समय रहते सभी देशों को अपनी हालिया स्वास्थ्य सेवाओं में पेंचवर्क कर लेना चाहिए, ताकि कोरोना संकट की दूसरी लहर जैसे हर कहीं मौतों के मंजूर दिखाई न दें।ताफ़सील में क्यों जाएं? बच्चा बच्चा जानता है कि दूसरी लाट की चपेट में वह महदेश अमेरिका भी आ गया था, जो प्रत्येक मामले में अपनी मुछ्रों पर ताव देता रहा है।उसका यह आचरण सही भी था, क्योंकि आज भी स्वास्थ्य सेवाओ के मामले में अमेरिका अव्वल है, लेकिन वही कोरोना ने सबसे ज़्यादा जान लीं। यही हाल ब्राज़ील के अलावा दूसरे कई देशों का हुआ। हालात बहुत मुश्किल से समझे। इन सबसे अलग भारत ने एक नायाब मानी गई प्रस्तुति दी। भारत ने तय तारीख के पहले ही एक अरब लोगों को पहला डोज लगाने का लक्ष्य पूरा कर लिया। स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में भारत अमेरिका के पासंग में भी नहीं बैठता, लेकिन भारत ही एक मात्र देश था, जिसने विश्व के लगभग सत्तर देशों को टीके भेजने की मदद की।

प्रत्येक सरकार की आदत होती है कि वह अपनी उपलब्धियों को बढ़ा चढ़ाकर बताए, और नाकामियों

को छिपाने की कोशिश करे।केन्द्र सरकार ने तो वर्षा कालिन सत्र के दौरान रायस्थान में यह तक कह दिया था कि हमारे पास इसकी कोई अधिकृत जानकारी नहीं है कि देश के किसी भी हिस्से में ऑक्सीजन की कमी से किसी कोविड पेशेंट की जान गई हो, मगर हाथ कंगन को आरसी क्या? प्रिंट मीडिया, और सोशल मीडिया के एक वर्ग ने दूध का दूध और पानी का पानी कर ही दिया।वर्ना, कई देशों से आपातकालीन हालात में भारत को ऑक्सीजन की आपूर्ति क्यों होती। यही नहीं ऑक्सीजन ट्रेन, और टेकरों की भी लगातार आवाजाही बनी रही, वह भी लंबे समय तक।एक अरब टीके की सच्चाई के बारे में भी शोष वैज्ञानिकों ने गम्भीर सवाल उठाए है। उन्होंने यहीं तक बताया कि आदिवासी, और सुदूर ग्रामीण इलाकों में या तो लचर व्यवस्था के कारण या अंधविश्वास के चलते पहला डोज ही नहीं लगा पाया है । इस तरह की जानकारियों से पीछा छुड़ाना विशेषकर सरकार के लिए भारी पड़ सकता है।अच्छी बात यह है कि अधिकृत रूप से अभी तक नए वैरिएंट ओमिक्रोन का एक भी मरीज नहीं मिला है, जबकि अफ्रीकी देशों से गत कुछ दिनों में एक हजार के लगभग यात्री हवाई मार्ग से मुंबई आने हैं। सुपुंव खबर यह भी है कि उक्त देशों से भारत आए के लिए कोई सीधी फ्लाइट उपलब्ध नहीं है। अमेरिका से कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़नी पड़ती है। यहाँ इस बात ज़िक्र मौजू है। होगा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की चीफ साइंटिस्ट डॉ. सौम्या स्वामीनाथन का कहना है कि ओमिक्रोन वैरिएंट को लेकर सबसे बड़ा अड्थड़ा यह है कि लोग बहुत दहशत में आ गए लगते हैं। ये लोग शायद यलतकहमी पाले हुए हैं कि इस नए वैरिएंट से वैक्सीन बेअसर हो जाएगा, जबकि ऐसा नहीं होता

है। डॉ . सौम्या का कहना है कि कोई भी वैक्सीन पूरी तरह से नाकामयाब हो ही नहीं सकता।वह भी याद रखा जाना चाहिए कि सेकंड वेव के दौरान ही एम्स, नई दिल्ली के निदेशक डॉ . रणदीप गुलेरिया ने अधिकृत रूप से कहा था कि जितनी भी मौतें उस वक हुईं उनमें से 80 प्रतिशत दहशत, और अफ़क़तर्फ़ी के कारण हुईं।उन्होंने तो तब रेमिडिसिवर इंजेक्शन को भी रामबाण इलाज मानने से इनकार कर दिया था। डॉ. गुलेरिया के अलावाअन्य सीनियर डॉक्टरस का कहना था कि अधिकांश प्रकरणों में सामान्य पैरासिटामोल गोलियों से काम चल सकता था, लेकिन कई सत्रों पर जबरन भागदौड़ का माहौल बना रहा।एक बात यह भी गौर करने लायक है कि यही मानकर नहीं चलना भी अपने आप को गुमराह करना होगा कि ओमिक्रोन वैरिएंट का ओरिजन सेंटर सिर्फ अफ्रीकी देश ही हो सकते हैं, क्योंकि इसकी गिरफ्त में आ रहे देशों की सूची में रोजाना नए नए देशों के नाम जुड़ रहे हैं। यूरोपीय महासंघ के अधिकांश सदस्यों का मीडिया चूँकि ओमिक्रोन की खबरों को मिचं मसाला न लगाकर आत्म संयम, और जन हित में जारी कर रहा है, इसलिए कहा जा रहा कि वहाँ की ज़मीनी हकीक़त किसी अनदेखी चिलमन से ही नज़्र आ रही है, लेकिन उक्त महासंघ के साथ अमेरिका हॉइ अलर्ट मोड पर है।

जहाँ तक भारत के सम्हलकर, और सतर्क रहने की बात है तो पहली लहर के बाद हम जिस तरह से आज़ाद पक्षियों की तरह आचरण करने लगे थे, वैसा भूलकर भी न करें, और जहाँ तो हो सके अपने आस पास के लोगों को भी नहीं करने दें। मतलब साफ़ है। मास्क, सामाजिक दूरी, सफाई, सेनेटराज़र

का उपयोग तो फ़िलहाल जीवन शैली में लाया ही जा सकता है। वजह यह है कि अभी तक के शोषों से पता चला है कि ओमिक्रोन वायरस अब तक का पर दादा वायरस है, मगर इसकी रेंज के बारे में कुछ भी दावे से नहीं गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा था कि एक संक्रमित व्यक्ति 436 स्वस्थ लोगों तक कोरोना फैला सकता है। फिर यह आंकड़ा 136 पर पहुंचा। इसी बीच पूरी दुनिया में फस्ट लीड खबर बनी कि हवाओं में उड़ती मौत। फिर कहा गया कि रेमिडिसिवर बेकार है, स्टायरपेड के कथित साइड इफ़ेक्ट से ब्लैक फंगस जैसा जानलेवा मर्ज़ हो सकता है। दरअसल, यह पूरी रामायण सी लगने वाली कथा का वाचन इसलिए ज़रूरी है कि आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी चिकित्सा पद्धति को छोड़िए फिलहाल, लेकिन एलोपैथी चार सौ साल के पहले ही इस्तेमाल में लाई गई। यह पद्धति ट्रायल एण्ड एरर (प्रयोग और गलती के सिद्धांत पर ही टिकी हुई है)।ओमिक्रोन काल में किसी नई पद्धति का अन्वेषण तो होने से रहा। इसीलिए जो है उसी से काम लेना पड़ेगा।ठीक है कि देश में विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक सिद्धांत 1000 लोगों के पीछे एक डॉक्टर की बजाय 1448 लोगों के पीछेएक डॉक्टर है। नर्सेंस 443 लोगों के पीछे एक है, लेकिन इसी बदहाल स्वास्थ्य तंत्र ने एक तरह से छाती ठोक कर कोरोना का सामना किया।छोटे बड़े शहरों में, तो कारपोरेट हॉस्पिटल्स का संजाल बिछ रहा है, लेकिन इन अस्पतालों के खर्च का आलम यह है एक शोध के अनुसार बीमारी के वक़्त भारतीय समाज के हरेक चौथे परिवार को कर्ज़ उठाना पड़ता है, जिसका चुकारा लगभग असंभव ही होता है।सरकारी स्वास्थ्य

सेवाओं की कंगाली यह है कि आज़ादी के बाद से जनसंख्या में लगभग सात गुणा ब्रद्धि हुई, जबकि सरकारी मेडिकल कॉलेज की संख्या दो गुणा हो बढ़ी। केन्द्र सरकार इस संदर्भ में एक नया प्रस्ताव लाई है, मगर उसमें भी पहली दिक्कत प्राइवेट स्तर पर खुली मेडिकल यूनिवर्सिटीज की है, और दूसरी उपचार के लिए ली जानी मोटी फीस की है। पहली, और दूसरी लहर के दौरान कई कारपोरेट हॉस्पिटल्स नोट छापने की मशीनें बन गए थे। एक गरीब परिवार तो ऐसे अस्पतालों में जाने से भी डरता है। इन्हें गरीब लोगो को ग्रामीण इलाकों में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में समय पर लाया जाकर बीमारी के प्रारंभिक लक्षण पता कर लिए जाएँ, तो ओमिक्रोन का संक्रमण भी रुक सकता है।खबरों में कहा गया है कि तीसरी लहर कही जाने वाली ओमिक्रोन बीमारी का दुनिया का पहला मरीज पुर्तगाल में पाया गया, जिसे थकान, और छोटी मोटी शिकायतें ही, लेकिन समय रहते उसे क्रारन टाइन कर दिया गया। भारत के साथ दिक्कत यह भी बताई जाती है हमारी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं 1943 में बनी एक रिपोर्ट के आधार पर बनीं है। यह रिपोर्ट जिस कमेटी ने सौंपी थी, उसकी अध्यक्षता सर जोसेफ विलियम थोर ने की थी। जानकार कहते हैं कि यह रिपोर्ट अब कूड़े में फेंकने के लायक हो चुकी है, क्योंकि इसकी सिफारिशें एक बड़ी आबादी तक पहुंच ही नहीं पाई हैं।केन्द्र सरकार बच्चों, और बुजुर्गों के टीकाकरण का अभियान शीघ्र छेड़ने पर भी विचार कर रही। टीके कितने कारगर होते हैं इसका प्रमाण यूरोप से आया आँकड़ा है, जिसमें कहा गया है कि उक्त देशों में 4 .70 लोगों को

समय पर वैक्सिनाइज करके बचा भी लिया गया, जबकि एक दौर था जब मौत वहाँ पागल हवाओं की तरह उड़ रही थी, जिसके फिर पर कोरोना की पहली, और दूसरी लहर सवार थी।ठीक है कि बदहाल हुई कृषि, अर्थव्यवस्था, फैक्टरीयों के उत्पादन, स्कूल, कॉलेज के खुलने, पर्यटन, शादी ब्याह जैसे आयोजन की बहाली भी ज़रूरी है, लेकिन इन सभी से वाजिब आय तभी मुमकिन है, जब पहले ओमिक्रोन की गुथ्थी अच्छे से सुलझा ली जाए।राजनेताओं के भरोसे सब कुछ छोड़ देना अपने आप को और असहाय कर देना है। कोई भी गणतंत्र बिना गण यानी आम जनता के कंधे से कंधा मिलाकर चले बिना सफल नहीं हो सकता।इसीलिए तमाम सामाजिक संगठनों, आम जनता और अन्य को भी इस ओमिक्रोन विरोधी अभियान में अभी से अपने अपने मोर्चे सम्हाल लेना हर हालत में ज़रूरी है। एक बार फिर कहना पड़ रहा है कि पिछले अनुभव से मास्क, सामाजिक दूरी, टीकाकरण, सफाई, सेनेट राइजेशन, अन्य सुरक्षा साधनों को जीवन शैली में शामिल कर लें, तो बुराई क्या है इसमें।ज्ञान देने की बात हो, तो भी एक बार कहना ही पड़ेगा कि जिंदगी एक ऐसी किताब होती है, जिसका दूसरा संस्करण कभी नहीं निकलता। फ़िल्म वक़्त का गाना था न, आगे भी जा लेना तू पीछे भी जा लेना तू, जो भी है यही एक पल है। कोरोना की दोनों पुरानी लहरों को ओमिक्रोन के संदर्भ में पाठशाला बनाया जा सकता है, क्योंकि अनुभव ही जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक माना जाता है या कहिए कि ठोकर खाकर ही आदमी ठाकुर बनता है।

आप की बात



इस कॉलम में अपने विचार

या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे

ई-मेल से

pioneer.editorial@gmail.com

पर भी भेज सकते है।

www.dailypioneer.com

प्रदूषण पर सख्त अदालत

सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए अदालत ने केंद्र, दिल्ली और उसके पड़ोसी राज्यों को औद्योगिक व वाहनों से होने वाले प्रदूषण के खिलाफ कार्रवाई के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। महज 24 घंटे के भीतर कार्रवाई करके दिखाने की चेतावनी की गंभीरता समझने की जरूरत है। यह प्रदूषण लगातार ऐसे बना हुआ है कि बहुत सारे लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। शहरों में न धूप निकल रही है और हवा साफ है। गुरुवार को हल्की बूंदाबांदी भी हुई है। साल-दर-साल बढ़ते जा रहे प्रदूषण का कोई ठोस इलाज सरकार के पास नहीं है। पारली जलाने की घटनाएं इस साल पहले की तुलना में ज्यादा हुईं। और दिल्ली और उसके पड़ोसी ही नहीं समूचे भारत में प्रदूषण की विनाशक स्थिति अत्यंत गंभीर और जानलेवा है। और इसमें जब तक सामाजिक संस्थाएं और जनता सरकार के साथ कदम मिलाकर प्रतिबद्धता के साथ प्रदूषण खत्म करने का प्रण नहीं ले लेती तब तक कोई भी सुधार होना संभव नहीं है। जब हम स्वच्छता के क्षेत्र में इतने सफल हुए हैं तो प्रदूषण मुक्त होने में भी कोई दिक्कत नहीं आना चाहिए! जरूरत सिर्फ दृढ़ता पूर्वक काम करने की है। और यदि हम अब नहीं चेते तो बाद में स्थिति विकट और बेकाबू होती जाएगी।

- सुभाष बुड़ावनवाला, रतलाम

ध्यान दे सरकार

भारत देश मे प्रसव के दौरान महिलाओं और नवजातों की मृत्यु को रोकने और सुरक्षित प्रसव के लिये प्रति वर्ष अरबों रुपये सरकार खर्च करती है। जिससे महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिये इधर उधर भटकना न पड़े। सरकारी अस्पतालों में दवा ,आने जाने के लिये एम्बुलेंस के साथ प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है। लेकिन कुछ अस्पतालों में महिलाओं को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया जाता है। जो निजी अस्पतालों में जाते हैं। निजी अस्पतालों में ज्यादातर बच्चे सिजेरियन ऑपरेशन से कराए जाते हैं। जिससे महिलाओं को सामान्य प्रसव जिसका खर्च 15-20 हजार रुपये से तीन गुने खर्च में सिजेरियन ऑपरेशन होता है। निजी अस्पतालों में मैं प्रसव दोगुना से ज्यादा प्रसव ऑपरेशन से होते हैं। सिजेरियन ऑपरेशन महिला के प्रसव में असमर्थ और मां और बच्चे के खतरे की स्थिति में किया जाता है। लेकिन ज्यादातर निजी अस्पतालों में जाने वाली महिलाओं का पैसे के लालच में सिजेरियन ऑपरेशन किया जाता है। जों महिलाओ और बच्चों के लिये नुकसान दायक होता है। बच्चो में रोग प्रतिरोधी क्षमता का ह्रास होता है। सरकार का कर्तव्य है कि हर जिला सरकारी अस्साल में ऑपरेशन की व्यवस्था करे।

- कुलदीप मोहन त्रिवेदी, जरागांव, उन्नाव

विपक्षी एकता का सवाल

विपक्षी एकता के ध्रुवीकरण के लिए इन दिनों पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री लालितांत है। महाराष्ट्र के नेताओं से उनकी मुलाकात भले ही माईने रखती हो मगर जिस तरह से कांग्रेस से दूरी बना कर वे चल रही है उससे लगता नहीं कि वे अपने मकसद में कामयाब हो सकेगी क्योंकि भले ही कांग्रेस सिमटती जा रही हो पर उसका थोड़ा बहुत वजूद भी अहम् है। भाजपा से मुकाबले के लिए ममता बनर्जी ने जोड़तोड़ शुरू की है। घुर विरोधियों को साथ लेकर जिस तरह समता कुनबा बनाने की जुगत में है इसमें वे तीपी सफल को सकती है जब वह समभाव से समान विचारधारा वाले दलों को एक मंच पर लाए। देखने में आया है कि ममता अपने इस अभियान में कांग्रेस से दूरी बनाए हुए हैं। महाराष्ट्र के नाम तक नई नेताओं से मुलाकात के बाद कांग्रेस का तमाम बड़े नेता भी लेना ममता उचित समझ रही हैं जबकि आज ममता जिनकी शरण है उनमें से अधिकांश कांग्रेसी हैं जो इस समय अलग-2 दलों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। विपक्षी एकता अगर कायम करना है तो ममता को परहेज की नीति और नियत छोड़ना होगी।

- अमृतलाल मारू, दर्दई, मप्र



नपं अध्यक्ष के देवर की गाड़ी से रेत परिवहन, विधायक ने दिए कार्रवाई के आदेश

रेत से भरी माजदा को पकड़कर छुरिया डिपो में खड़ा किया गया

■ विधायक पति पर लगाया चालक से बदसलूकी का आरोप

पायनियर संवाददाता < छुरिया
www.dailypioneer.com

वन परीक्षेत्र बाघनदी के जंगलों से अवैध रेत परिवहन का आए दिन मामला सामने आ रहा है। लेकिन वन विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किया जा रही है। बताया जाता कि कुछ मामलों में कांग्रेस की सत्ता सरकार से जुड़े कांग्रेसी नेताओं का नाम सामने आ रहा है। आज ऐसा ही एक और मामला सामने आया है जिससे सत्ता सरकार की छवि धूमिल हो रही है।

नगर पंचायत छुरिया की अध्यक्ष राजकुमारी सिन्हा के देवर तरुण सिन्हा की माजदा पर अवैध रेत परिवहन को लेकर कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई विधायक छननी साहू द्वारा आदेश के बाद हुई है। वहीं वाहन मालिक ने विधायक पति चंदू साहू पर गाड़ी के चालक से बदसलूकी करने का आरोप लगाया



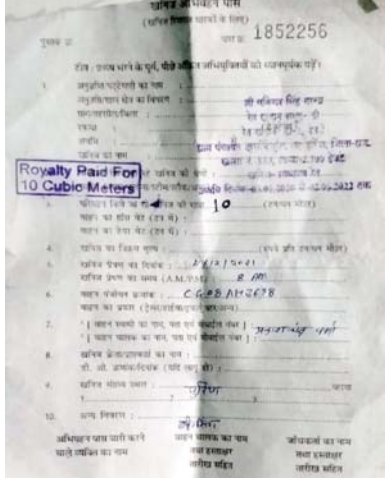
है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनका चालक रॉयल्टी चुकाकर ही रेत लेकर आ रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार जोब से रेत लेकर आ रहा माजदा वाहन (सीजी 08 एएम 3698) छुरिया नगर पंचायत के वन विभाग डिपो के पास डीजल खत्म होने के चलते सड़क पर खड़ा था। इसी दौरान क्षेत्रीय विधायक छननी साहू व उनके पति चंदू साहू का वहां से

गुजरना हुआ। सड़क पर रेत से भरी वाहन को देखकर खड़ी माजदा के ड्राइवर से जानकारी लेने के बाद वन परीक्षेत्र अधिकारी को सूचना देकर वाहन का जांच कर कार्यवाही करने का आदेश दिया।

इस पर छुरिया वन परीक्षेत्र डिप्टी रेंजर एवं वन समिति के सदस्यों द्वारा वाहन को छुरिया डिपो के अंदर रखा गया है। माजदा वाहन चालक से जब पूछा गया कि रेत कहां से ला रहे हो

तो चालक ने बताया कि यह वाहन छुरिया नगर पंचायत अध्यक्ष के देवर का है और जोब क्षेत्र से रेत लेकर आया है। इसकी पुष्टि करने छुरिया वन परीक्षेत्र डिप्टी रेंजर व कर्मचारी वाहन चालक को अपने साथ मौके पर निरीक्षण के लिए ले जाया गयावहीं रेत से भरी माजदा किसी वर्मा के नाम से पंजीकृत है जिसका इश्योरेंस और फिटनेस दोनों फेल दिखा रहा है। फिलहाल रेत से भरी



क्षेत्रीय विधायक के पति द्वारा मेरे ड्राइवर बीटीसिंह उडके से गाली गलौज किया गया है। यदि मेरे गाड़ी मंर कोई अवैध परिवहन हो रहा है तो उसका कार्यवाही करनी चाहिए ना कि मेरे ड्राइवर से गाली गलौज।
-तरुण सिन्हा

अपहरण एवं दुष्कर्म का आरोपी हैदराबाद से गिरफ्तार



■ नाबालिग को हैदराबाद ले जाकर रह रहा था आरोपी

पायनियर संवाददाता < डोंगरगढ़
www.dailypioneer.com

पूर्व बौर परजनों को जानकारी दिए नाबालिक किशोरी को साथ ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 22 वर्षीय आरोपी युवक ने उसे प्रेमजाल में फंसाया और बहला-फुसला कर उसे तेलंगाना राज्य के अमीनपुर लेकर चला गया। यहां उसने नाबालिक से कई बार शारिरिक संबंध भी बनाए। पुलिस ने अमीनपुर से ही आरोपी को गिरफ्तार

किया है। वहीं नाबालिग को परजनों के सुपुर्द कर दिया है। बताया गया कि बीते 13 नवंबर को नाबालिक की मां ने पुलिस थाने में किशोरी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि 12 नवंबर सुबह 10 बजे से उनकी बेटी उन्हें मिल नहीं रही। उन्होंने शंका जाहिर की थी कि कोई व्यक्ति उसे अपने साथ ले गया है। इस शिकायत पर पुलिस ने छानबीन शुरू की। इसके बाद थाना स्तर पर टीम गठित कर दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव एवं सरहदी राज्य में लगातार तलाश की जा रही थी। इसी दौरान जानकारी मिली की। नाबालिग को ग्रामकमेरी थाना बाघनदी निवासी आरोपी अखिल उर्फ

मुरारी मंडावी द्वारा हैदराबाद अमिनपुरतेलंगाना में ले जाकर रखा गया है। सूचना को पुछा करने के फौरन बाद टीम हैदराबाद निकल गई। थाना प्रभारी निरीक्षक शिवचंद्रा के नेतृत्व में टीम ने किशोरी को आरोपी अखिल उर्फ मुरारी मंडावी के कब्जे से बरामद किया और पूछताछकी गई। पूछताछ पर पीडिता द्वारा आरोपी अखिल उर्फ मुरारी मंडावी के द्वारा बहलाफुसलाकर भगाकर ले जाकर शारिरिक संबंध बनाना की बात कही गई। आरोपी के खिलाफ धारा366,376 (2) (ड) भादवि 4,6 पाक्सो एक्ट का मामला दर्ज कर ज्युडिसियल रिमांड पर भेजा गया है।

डॉ. अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर प्रदेशभर में होगा श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन

पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा छत्तीसगढ़ के प्रदेश उपाध्यक्ष, बस्तर संभाग प्रभारी पवन मेश्राम ने कहा कि संविधान निमाता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के 6 दिसंबर को परिनिर्वाण दिवस पर प्रदेशभर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए संगठन ने मेश्राम को प्रदेश प्रभारी बनाया है।

आयोजन के संबंध में शनिवार को स्थानीय प्रेस क्लब में प्रवार्ता में मेश्राम ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, भाजपा के



राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, छत्तीसगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष नवीन मारकंडेय के निर्देश पर कार्यक्रम की रूपरेखा तय कर ली गई है। उन्होंने बताया कि 6 दिसंबर को बूथ, मंडल व जिला स्तर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर को पार्टी श्रद्धांजलि

अर्पित करेगी। कार्यक्रम में पूर्व मंत्रीगण, वर्तमान पूर्व सांसदद्वय, वर्तमान व पूर्व विधायकद्वय, बुद्धजीवी, शिक्षाविद्, भाजपा के राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला के पदाधिकारी उपस्थित रहकर बाबा साहब की प्रतिमा में माल्यार्पण कर बाबा साहब को नमन करते श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

मेश्राम ने कहा कि डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण 6 दिसंबर 1956 को दिल्ली स्थित उनके निवास में हुआ, जैसे ही इस बात की जानकारी आम लोगों को हुई, उनके निवास स्थान पर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। इस हुजूम को देखकर गांधी परिवार और कांग्रेस इतने जोर से हड़बड़ाई कि डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर को राजघाट में स्थान नहीं दिया। इसकी मुख्य वजह थी कि अगर डॉ. भीमराव अम्बेडकर साहब को राजघाट में स्थान दिया गया होता तो आज गांधी परिवार और कांग्रेस का कोई नामलेवा नहीं होता।

पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष हिरेंद्र कुमार साहू ने कहा है कि अवस्था के बीच भूपेश सरकार ने धान खरीदी प्रारंभ कर दी। सरकार किसानों के प्रति जरा भी चिंतित नहीं है। पहले 1 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ की जाती थी उसे 1 दिसंबर कर दिया। इसके बाद भी सरकार किसानों के धान खरीदने के लिए बारदाना की व्यवस्था पूर्ण नहीं कर पाई। सरकार कहती है 25 परसेंट किसानों के बारदाने और 75 परसेंट बारदाना सरकार उपलब्ध कराएगी। लेकिन

किसानों को 50 प्रतिशतबारदाना देना पड़ा।

हिरेंद्र ने कहा किप्रदेश सरकार सिर्फ केंद्र पर आरोप लगाती है। किसान 30 से 40 रुपए में खरीद रहे हैं। बाजार में व्यापारी केपास कट्टा उपलब्ध है लेकिन सरकार के पास नहीं। यह आश्चर्यजनक है। अगर सरकार वास्तव में किसान हितैषी है तो सोसाइटी के माध्यम से किसानों को बारदाना उपलब्ध कराया जाना चाहिए। सरकार ने



बारदाने की दर 25 रुपए करने की घोषणा की है लेकिन यह नाकाफी है। पहली बात तो यह भी कि पहले किसानों द्वारा दिए बारदाने के दाम अब तक किसानों को नहीं मिले हैं।

भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसानों की चिंता करते हुए पेट्रोल और डीजल पर वेट टैक्स कम किया और किसानों को राहत दी। इसलिए केंद्र सरकार ने

पेट्रोल में 5 और डीजल में 10 रुपएकम किए थे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी कहा कि हम हिंदुस्तान के पूरे प्रदेशों में से कम डीजल और पेट्रोल की रेट कम करेंगे और किसान मजदूर व्यापारी इंतजार कर रहे थे किलेकिन इसका नतीजा सिर्फ ही रहा। पेट्रोल में 77 पैसा और डीजल में एक रुपए 44 पैसा कम कर लोगों से मजाक किया गया। लगातार खुद को किसान पुत्र बताते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और इनकी कथित किसान हितैषी सरकार आम लोगों, किसानों की परेशानियों का मजाक उड़ा रही है।

सरकार की शक्ति से नहीं होगी समाज व धर्म की रक्षा

■ कनिष्ठ शंकराचार्य ने बताया धर्म के लिए त्याग को अहम

पायनियर संवाददाता < डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

नगर के साकेत धाम परिसर में आयोजित संगीतमय श्रीरामकथा में कथा प्रवक्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व हिंदू जागरण परिषद व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण न्यास अयोध्या अनंतविभूषित कनिष्ठ जगतगुरु शंकराचार्य स्वामीआत्मानंद सरस्वती जी महाराज ने धर्म के लिए त्याग के महत्व को समझाया। उन्होंने गौ, गंगा व गीता पर तर्कपूर्ण व्याख्यान देते हुए धर्म के रक्षार्थ आगे आने आह्वान किया।

पूज्य महाराज ने गौ, गंगा एवं गीता पर विस्तार से बताया कि जब तक राष्ट्र में गो की रक्षा नहीं होगी गीता का सम्मान नहीं होगा, गंगा में स्वच्छता नहीं होगी, तब तक देश में शांति नहीं हो सकती है। देश में शांति



स्थापित करना है, तो पहले गांव की रक्षा करना होगा। उन्होंने कहा कि गांव की रक्षा सरकारों के बल पर नहीं हो सकती। जब तक समाज का मन गौ रक्षा पर नहीं लगता है, तब तक गौ रक्षा होना संभव ही नहीं है। समाज को चाहिए कि गौ की सुरक्षा के लिए बड़े-बड़े आश्रमों में गौशालाओं में तन मन धन से सहयोग कर गौशालाओं को संबल प्रदान करें। कनिष्ठ शंकराचार्य ने कथा के

माध्यम से धर्म का महत्व समझाते हुए बताया कि राम बनवास का अभिप्राय है। मानवता के लिए परमात्मा राम ने धरातल पर आकर के समाज को शिक्षा दिया कि धर्म की रक्षा के लिए सिंहासन त्यागना पड़े, पद त्यागना पड़े, परिवार को त्यागना पड़े, तो त्याग देना चाहिए। उन्होंने बताया कि जब तक जीवन में त्याग नहीं होगा, तब तक धर्म की स्थापना नहीं हो सकती है।

रेवाडीह वार्ड में मनाया गया मितानिन दिवस



राजनांदगांव। रेवाडीह वार्ड क्रमांक 22 राजनांदगांव में दिगत दिनों वार्ड पार्षद एवं कनिष्ठ सभापति नगर पालिक निगम गामेन्द्र नेताम के नेतृत्व में मितानिन दिवस का आयोजन किया गया।उपस्थित मितानिनों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पार्षद द्वारा साड़ी एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद नेताम ने अपने उद्बोधन में कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना काल में जब लोग घरों में कैद थे तब हमारी मितानिन दीदीयों ने अपने जान की परवाह किये बगैर अपने जान जोखिम में डालकर कोरोना पीडितों की सेवा में लगे रहीं। इनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शहर कांग्रेस युवजी डोपड़ी प्रकोष्ठ अध्यक्ष जितेंद्र कोशिक, वार्ड अध्यक्ष उमेश राजपूत, ठाकुरराम साहू, दैलत साहू, मितानिन प्रेक्ष सुरुज बाई, निर्मला साहू, मितानिन सुमरित बाई, ज्योति यादव, कलित ठाकुर,सरिता सोनकर, गिरजा साहू, उर्मिला बाई, माधुरी साहू, शकुन बाई, रजनी निषाद, बसन्ती मंडावी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दिलेश्वरी नेताम एवं वार्डवासियों की उपस्थिति रही।

शासकीय महाविद्यालय गंडई में हुआ एड्स जागरूकता कार्यक्रम



गंडई पंडरिया। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन नार्को स्वास्थ्य कल्याण एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा देश के स्वतंत्रता के 75वीं वर्षगांठ की उपलक्ष में छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के माध्यम से राज्य में न्यू इंडिया जागरूकता अभियान के तहत नगर के पं.देवी प्रसाद चौबे शासकीय महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एड्स जागरूकता का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एच.एस.वर्मा ने किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंडई के परामर्श दाता हिरायल वर्मा व स्टाफ और साथ ही महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प.के. श्रीवास्तव ने विश्व एड्स दिवस पर अपने विचार व आभार प्रकट किया।



मौलिक हिन्दी पुस्तक लेखन पुरस्कार योजना के अंतर्गत साहित्यकारों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थी

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को मिला दिल्ली में पुरस्कार

पायनियर संवाददाता < गंडई-पंडरिया
www.dailypioneer.com

भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय की संस्कृति विषयक मौलिक हिन्दी पुस्तक लेखन पुरस्कार योजना के अंतर्गत साहित्यकारों से प्रविष्टियाँ आमंत्रित की गई थीं। जिसमें वर्ष 2020 के लिए छत्तीसगढ़ के सुपरिचित साहित्यकार व संस्कृति कर्मी डॉ.पीसी लाल यादव को पुस्तक +छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति+ को चयन समिति द्वारा मानक के अनुरूप चयनित किये जाने पर संस्कृति मंत्रालय की ओर से पुरस्कृत किया गया।

विगत 2 दिसंबर को केन्द्रीय ग्रन्थालय के सभागार में आयोजित एक गरिमामय समारोह में केन्द्रीय



राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति के लेखक डॉ.पीसी लाल यादव को पुरस्कार राशि, प्रशस्ति पत्र और

स्मृति चिह्न देकर पुरस्कृत किया।इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय के अवर सचिव, संयुक्त सचिव संजुक्ता मुद्गल, निदेशक राजभाषा

डॉ.आर.रमेश आर्य,चयन समिति के सदस्य डॉ.हरि सिंह पाल के साथ ही मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारी व संगीत नाटक अकादमी नईदिल्ली

के छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे। संस्कृति मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपने उद्बोधन में छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की प्रशंसा की और अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के अनुभवों को साझा करते हुए कहा- छत्तीसगढ़ीश सबलें बढ़िया।उनके इस कथन पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से जूज उठा। उन्होंने लेखक डॉ.पीसी लाल यादव के रचनाकर्मकी प्रशंसा करते हुए शुभकामनायें व्यक्त की औरआगे भी साहित्य व संस्कृति के क्षेत्र में कार्य करते रहने के लिये प्रेरित किया। डॉ.पीसी लाल यादव की इस उपलब्धि पर अनेक इष्ट मित्रों, साहित्यकारों व लोक कलाकारों ने बधाईयाँ देकर हर्ष प्रकट किया है।

राधेश्याम सिंह राजपूत का निधन

पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

कौरिनभठाड निवासी सेवा निवृत्त प्र.श्रे.लि. राधेश्याम सिंह राजपूत का शुक्रवार की शाम 5 बजे मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव में निधन हो गया। वे अपने पीछे भरपूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी अंतिम यात्रा शनिवार को उनके निज निवास से निकली जिसमें सामाजिक जन, उनके सहकर्म, मित्र व शुभचिंतकों सहित शहर के नागरिक शामिल हुए। उनका अंतिम सुविक्तधाम में किया गया। इस दौरान सुविक्तधाम में शोक सभा में स्व. राजपूत को श्रद्धांजलि दी गई। उन्हें करीब से जानने वाले और सामाजिक जनों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे राजपूत का स्वभाव सरल रहा, वे



सदैव अपने सिद्धांतों पर ही चले और जमीन से जुड़े रहे। शासकीय सेवा में लंबा समय गुजारने वाले स्व. राजपूत काफी मिलनसार रहे। उनके सहकर्म भी उनके उन्हें याद करते हुए भावुक हो गए। सभी ने भगवान से स्व. राजपूत के परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थन की।



रायपुर। श्रीबालाजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल एवं कॉलेज के चेयरमैन तथा श्री बालाजी थिंक मीडिया प्रा.लि. (पायनियर) के डायरेक्टर डॉ. देवेन्द्र नायक ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय समाचार पत्र पायनियर के दफ्तर में केक काटकर पूरी टीम के साथ अपना जन्म दिवस मनाया। इस अवसर पर श्रीबालाजी थिंक मीडिया की डायरेक्टर श्रीमती नीता नायक, मेडिकल कॉलेज के डीन श्री मानिक चटर्जी, सीएफओ श्री नीतिन पटेल, ग्रुप के महाप्रबंधक डॉ. बिरेन्द्र पटेल, राष्ट्रीय समाचार पत्र पायनियर के प्रकाशक भोजराम पटेल, संपादक ए.एन. द्विवेदी तथा निलांचल सेवा समिति के चेयरमैन श्री संपत अग्रवाल समेत पूरी टीम उपस्थित रही।

प्रदेश के किसानों को कंगाल करना चाहती है भूपेश सरकार : विष्णुदेव साय

मंडी शुल्क 150 प्रतिशत बढ़ाकर कांग्रेस सरकार ने बता दिया वो किसानों के दुश्मन है

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com



भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने कहा कि धान खरीदी के नाम पर प्रदेश के अन्नदाताओं को प्रताड़ित करने वाली प्रदेश सरकार ने मंडी शुल्क में सीधे 150 प्रतिशत का इजाफा करके कृषि और कृषक विरोधी चरित्र का शर्मनाक परिचय दिया है। साय ने कहा कि धान के अलावा अन्य फसलों पर मंडी शुल्क बढ़ाकर किसानों पर लगातार अत्याचार करके उनके आर्थिक शोषण पर उतारू हो गई है। साय ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले का दुष्परिणाम किसानों को ही भुगताना पड़ेगा क्योंकि इससे एक ओर जहां खुले बाजार में धान की कीमतें अपने न्यूनतम स्तर तक पहुंच जाएगी वहीं दूसरी ओर इस बड़े

हुए मंडी शुल्क का आर्थिक भार भी किसानों पर ही पड़ेगा। साय ने कहा कि प्रदेश सरकार 2500 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदने का खेल पीटकर चोर दरवाजे खोल रही है और किसानों को कंगाल बनाने के षड्यंत्रों में मशगूल है। किसानों को बेहतर आर्थिक व सामाजिक स्तर प्रदान करने के सबबबाग

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने कहा कि धान खरीदी के नाम पर प्रदेश के अन्नदाताओं को प्रताड़ित करने वाली प्रदेश सरकार ने मंडी शुल्क में सीधे 150 प्रतिशत का इजाफा करके कृषि और कृषक विरोधी चरित्र का शर्मनाक परिचय दिया है। साय ने कहा कि धान के अलावा अन्य फसलों पर मंडी शुल्क बढ़ाकर किसानों पर लगातार अत्याचार करके उनके आर्थिक शोषण पर उतारू हो गई है। साय ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले का दुष्परिणाम किसानों को ही भुगताना पड़ेगा क्योंकि इससे एक ओर जहां खुले बाजार में धान की कीमतें अपने न्यूनतम स्तर तक पहुंच जाएगी वहीं दूसरी ओर इस बड़े

विष्णु देव साय समझ लें दहशत में है उनकी भाजपा : मरकाम

भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय के बयान कि हार के डर से नगरीय निकाय चुनावों की जिम्मेदारी से कांग्रेस के नेता भाग रहे हैं और कांग्रेस को सबक सिखाने जनता तैयार बैठी है, पलटवार करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि कांग्रेस न तो किसी से डरती और न ही किसी जिम्मेदारी से भागती। हार की दहशत में तो प्रधानमंत्री मोदी हैं जो अपने फैसले पलट रहे हैं। छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय चुनाव में आसन्न और सुनिश्चित हार से दरअसल भाजपा घर घर कांप रही है और उसके नेता मानसिक तनाव में अंगर्गल प्रयास में जुटे हुए हैं। हम उनका डिप्रेशन समझ सकते हैं और



प्रदेश की जनता भी उनकी असंतुष्टता पहचान चुकी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि जनता भाजपा को खदेड़ने का मन बना चुकी है। भाजपा के खिलाफ जनता में भारी आक्रोश है। जनता इस बात को समझ चुकी है कि भाजपा को हारने से ही अच्छे दिन वापस आयेगा। जिस प्रकार से अभी देश के कई राज्यों में विधानसभा के उपचुनाव हुए और भाजपा शासित राज्यों में भी

भाजपा प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई। उपचुनाव में भाजपा की करारी हार के बाद पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा के आम चुनाव में करारी हार के डर से भयभीत मोदी भाजपा की सरकार अब अपने फैसले को बदल रही है। मोदी सरकार के तानाशाही रवैया तुंगलकी फरमान से आम जनता के गुहस्थ जीवन एवं रोजी रोजगार पर गंभीर संकट उत्पन्न हुये है। उपचुनाव में भाजपा की हार के बाद मोदी सरकार हार के डर से बैकफुट पर है और देश की जनता समझ चुकी है कि भाजपा के हारने से ही देश के हालात सुधरेगे इसलिए देश, प्रदेश और निकाय के चुनाव में जनता भाजपा को हरा रही है। प्रदेश कांग्रेस

अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि नगरीय निकाय के चुनाव के प्रथम चरण में 10 नगर विभाग में 10 में ऐतिहासिक जीत दर्ज करायी थी। उसी तरह दूसरे चरण के आसन्न 4 नगर विभाग, 3 नगर पालिका, 8 नगर पंचायत आम चुनाव एवं 15 नगरीय निकाय के उपचुनाव में भी कांग्रेस प्रत्याशियों की रिकॉर्ड मतों से जीत होगी। नगरीय निकाय चुनाव में भी सभी जगह कांग्रेस की परिधि बनेगी।

विकास उपाध्याय ने रोहिणीपुरम तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का किया निरीक्षण



पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

संसदीय सचिव एवं रायपुर पश्चिम के विधायक विकास उपाध्याय ने नगर निगम आयुक्त सह रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के प्रबंध संचालक प्रभात मलिक एवं अतिरिक्त प्रबंध संचालक चंद्रकांत वर्मा के साथ रोहिणीपुरम तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उपाध्याय ने कहा कि आम नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाओं का उत्पन्न कर सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। मुख्य मार्ग सौंदर्यीकरण के साथ ही पाथवे एवं तालाब में बिसर्जन कुंड निर्माण के संबंध में भी उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है। रायपुर स्मार्ट सिटी लि. लगभग 72 लाख रुपये की लागत से

इस तालाब का कायाकल्प कर रहा है। इस कार्य योजना के अंतर्गत तालाब के चारों तरफ फुटपाथ निर्माण, घाट निर्माण, लाईटिंग, फ्लोटिंग हाईजेट फाउंटेन, बैठक व्यवस्था, फेंसिंग एवं पौधरोपण, गार्डन, डस्टबिन और साईनेज का कार्य प्रगतिरत है। रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के एम.डी. प्रभात मलिक ने तकनीकी टीम से इस तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य के प्रत्येक चरण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए निर्धारित समयबद्धि में कार्य पूर्ण करने हेतु संबंधित कार्य एजेंसी को निर्देशित किया है। इस मौके पर रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के मैनेजर सिविल राकेश गुप्ता, एस.पी. साहू, डिप्टी मैनेजर अमित मिश्रा, असिस्टेंट मैनेजर नलिनी साहू उपस्थित रही।

विजय श्रृंखला और संस्कृतियों का महासंगम

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में और 1971 के युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए, राष्ट्रीय कैबेट कोर (एनसीसी) विजय श्रृंखला और संस्कृतियों का महा संगम कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। ऐसा ही एक कार्यक्रम 8 सीजी गलर्स बीएन एनसीसी, रायपुर द्वारा रूप मुख्यालय छत्तीसगढ़ के अंतर्गत आयोजित किया गया। एनसीसी ग्रुप छत्तीसगढ़ के कैबेटों ने बसना (तहसील), महासमंद (जिला) के रहने वाले शहीद सिपाही योगेश्वर दास की पत्नी पंकजनी देवी को शासकीय हाई स्कूल बसना में आयोजित एक समारोह में तहसीलदार और बसना के प्रधान की उपस्थिति में सम्मानित किया।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजित की गई यह प्लेसमेंट फॉर्मों के छात्रों के लिए आयोजित हो गई। अपोलो फार्मसी लिमिटेड द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव किया गया। इस प्लेसमेंट में श्रीरावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मसी कुम्हारी और फैकल्टी ऑफ फार्मसी से कुल 31 छात्रों ने भाग लिया जिसमें 13 छात्रों को चयनित किया गया। इस इंटरव्यू में कंपनी के एक्स्पर्ट प्रबंधक एचआर महेश, वरिष्ठ कार्यकारी एचआर



लाओ मन्ना, कार्यकारी एचआर-टी एंड डी देवाशीष सरकार और जूनियर कार्यकारी संचालन आशीष धन्ने द्वारा लिखित परीक्षा और इंटरव्यू प्रक्रिया पूरी की गई। श्री रावतपुरा सरकार लोक कल्याण ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ.जे.के. उपाध्याय ने श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, और प्लेसमेंट ड्राइव में चयनित छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

अग्निशामक यंत्र के विशेष प्रशिक्षण अभियान चलाया गया

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के सिविल डिफेंस वालंटियर तथा सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर श्री एस कोटेश्वर राव के द्वारा कैरिज एवं वैगन ट्रेनिंग सेंटर/बी एस वाई में विशेष प्रशिक्षण अभियान विस्तार पूर्वक चलाया गया जिसमें ट्रेन में यात्रा करते समय ज्वलनशील पदार्थ न ले जाने के लिए जानकारी प्रदान की गई एवं लोगों को इससे निपटने के लिए तरीके बताए गए इसके तहत कैरिज एवं वैगन कर्मचारी, एवं आरपीएफ कर्मचारी को इससे संबंधित जानकारी प्रदान की गई ताकि ट्रेनों में आगजनी को रोका जा सके।

मुंबई के विशेषज्ञों ने ऑन्कोलॉजी में उन्नत उपचार प्रोटोकॉल्स पर चर्चा की

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

मुंबई के अग्रणी अस्पताल कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल (केडीएच) के जाने-माने ऑन्कोलॉजिस्ट्स ने रायपुर का दौरा किया और यहां के प्रमुख डॉक्टरों से मुलाकात के दौरान अपने ज्ञान को साझा किया, साथ ही मरीजों की देखभाल को बेहतर करने के लिए कैंसर के उपचार प्रोटोकॉल में विकास/प्रगति पर चर्चा की। केडीएच के डॉक्टर डॉ राजेश मिश्री, डायरेक्टर-ऑन्कोलॉजी और डॉ समीर तुलपुले, कंसल्टेंट-जनरल

हेमोलोलांजी, हेमो-ऑन्कोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन-एमएस भिलाई (आईएमए) और स्थानीय डॉक्टरों के साथ चर्चा की। मरीजों को लाभ मिल सकें इसके लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण बहुत महत्वपूर्ण है, जिसमें विशेषज्ञता, प्रौद्योगिकी, समय पर और प्रभावी उपचार इन सभी का मिश्रण होता है और इससे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच की सुविधा प्रदान की जाती है। महामारी के दौर में इसकी जरूरत और भी ज्यादा महसूस की जा रही है। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी

अस्पताल, कैंसर के लिए व्यापक देखभाल केंद्र जैसी सुविधाओं के साथ, इस क्षेत्र और देश में स्वास्थ्यसेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सेंटर फॉर कैंसर विशेषज्ञता को एक साथ लाकर सभी प्रकार के कैंसर के मरीजों को व्यापक और समन्वित देखभाल प्रदान करता है। डॉ राजेश मिश्री ने कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल की 'दा विंची रोबोटिक सिस्टम' के बारे में बात की जो डॉक्टरों को अलग-अलग प्रकार के कैंसरों के लिए बड़ी संख्या में सर्जरी करने में सक्षम बनाती है।

SHRI BALAJI INSTITUTE OF NURSING RAIPUR (C.G.)

WALK IN INTERVIEW

M.SC. NURSING STAFF REQUIREMENT

Psychiatric Name	2	Professor/Asso.Prof
	2	Asst. Prof
Med. Surgical Nursing	2	Professor/Asso.Prof.
	2	Asst. Prof
Community Health Nursing	2	Professor/Asso.Prof.
	2	Asst.Prof
Child Health Nursing	2	Professor/ Asso.Prof.
	2	Asst. Prof.
Tutor	4	Minimum 1 Year exp.

Note : Experience : Professor 10 yr. 7 yr. Teaching, Associate Professor 8 yr. 5 yr Teaching, Assistant Professor 3 yr Teaching

MOWA, RAIPUR (C.G.) Mob : 9827118884, 7694016816 E-Mail : sbsonraipur@rediffmail.com

SHRI BALAJI Institute of Nursing

छ.ग. शासन, छ.ग. नर्सिंग कॉन्सिल से मान्यता प्राप्त. छ.ग. आयुष विश्वविद्यालय से संबंध एवं छ.ग. पैरामेडिकल कॉन्सिल से अनुमति

ADMISSION OPEN

NURSING PROGRAMME

PARAMEDICAL PROGRAMME

B.Sc Nursing	4 years	Pathology technician	1 year
Post Basic Bsc Nursing	2 years	Operation theater tech.	1 year
M.Sc. Nursing	2 years	X-Ray technician	1 year
Medical Surgical Nsg.		Ortho and dresser tech.	1 year
Community Health Nsg.			
Child Health Nsg.			
Mental Health Nsg.			

HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS & BOYS

मोवा, रायपुर (छ.ग.) मो. 7694016816, 8435018884, 9826242559 फोन : 0771-4241095 | वेब : www.balajinursingcollege.com